mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-02 अंक-180 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
01 जुलाई 2026 बुधवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

: ब्रीफ बॉक्स :

इंडिगो की अहमदाबाद-मुंबई फ्लाइट की सूरत में इमरजेंसी लैंडिंग

उड़ान के दौरान 3 साल का बच्चा बेहोश हुआ

सूरत,एजेंसी। अहमदाबाद से मुंबई जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6E-7018 में सोमवार शाम 3 साल का बच्चा बेहोश हो गया। उसकी हालत बिगड़ने पर पायलट ने मेडिकल इमरजेंसी घोषित की। फ्लाइट की सूरत एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। बच्चे को सूरत के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। बच्चे की पहचान सौरभ के रूप में हुई है। फ्लाइट में मौजूद दो डॉक्टरों ने उसे प्राथमिक इलाज देने की कोशिश की, लेकिन हालत में सुधार नहीं हुआ। इसके बाद पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल (ATC) से संपर्क कर सूरत एयरपोर्ट पर उतरने की अनुमति मांगी।

लैंडिंग से पहले एयरपोर्ट पर एम्बुलेंस और मेडिकल टीम तैयार थी: मेडिकल इमरजेंसी की सूचना मिलते ही सूरत एयरपोर्ट को अलर्ट कर दिया गया। छ्ढ्ढस्स्न, एयरपोर्ट की मेडिकल टीम और इंडिगो की ग्राउंड टीम ने पहले से तैयारी कर ली।

विमान के उतरते ही डॉक्टर

बिहार- एनकाउंटर में मारे गए भरत तिवारी की तेरहवीं

मुठभेड़ वाली जगह पर नारे लगे

आरा (भोजपुर),एजेंसी। बिहार के भोजपुर में 17 जून को पुलिस एनकाउंटर में मारे गए भरत तिवारी की तेरहवीं है। करीब 25 हजार लोगों के लिए खाने का इंतजाम है। जबकि 15 हजार और लोगों के लिए राशन स्टॉक रखा गया है। श्राद्ध का भोज शुरू हो चुका है।

गांव के आसपास खेतों में दो बड़े टेंट लगाए गए हैं। कुर्सियां मंगवाई गई हैं। लोगों के आराम करने के लिए खेतों में पलंग लगे हैं। घर के सामने विशाल शामियाना लगाया गया है। मौसम को देखते हुए कूलर और पंखे भी लगाए गए हैं। भरत के पिता काशीनाथ तिवारी और भाई चंदन तिवारी ने बताया कि दूसरे राज्यों से आने वाले लोगों के ठहरने और आराम की भी पूरी व्यवस्था की गई है।

जनरल द्विवेदी आर्मी चीफ पद से रिटायर

● बोले- सेना ने जिम्मेदारियां बखूबी निभाईं, ऑपरेशन सिंदूर उदाहरण ● नए जनरल धीरज सेठ ने पदभार संभाला

नई दिल्ली,एजेंसी। जनरल उपेंद्र द्विवेदी मंगलवार को आर्मी चीफ के पद से रिटायर हो गए। रिटायरमेंट से पहले उन्होंने नई दिल्ली स्थित नेशनल वॉर मेमोरियल पर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

द्विवेदी ने कहा- दो सालों में भारतीय सेना ने हर मोर्चे पर अपनी तैयारी, संतुलन और सतर्कता मजबूत बनाए रखी। ऑपरेशन सिंदूर इसका प्रमुख उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि आज मैं यह जिम्मेदारी जनरल धीरज सेठ को सौंप रहा हूं। वह एक अनुभवी सैनिक और सक्षम नेता हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि उनके नेतृत्व में भारतीय सेना अपनी गौरवशाली परंपराओं को कायम रखते हुए नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगी। द्विवेदी की जगह जनरल धीरज सेठ ने ली है। उन्होंने आज कार्यभार संभाल लिया है। सेठ भारत के 31वें आर्मी चीफ हैं। उन्हें भारतीय सेना में लगभग चार दशक का अनुभव है। उन्होंने दिसंबर 1986 सेना ज्वॉइन की थी।

सेना बैकग्राउंड वाले परिवार से आते हैं सेठ

आर्मी चीफ सेठ सेना के बैकग्राउंड वाले परिवार से आते हैं। उनके पिता लेफ्टिनेंट जनरल कृष्ण मोहन सेठ भारतीय सेना में एडजुटेंट जनरल के पद से 1997 में रिटायर हुए थे।

जनरल कृष्ण मोहन सेठ ने सेना की दो बड़ी और अहम टुकड़ियों XXI स्ट्राइक कोर और III कोर की कमान भी संभाली थी। धीरज सेठ खेलों में भी गहरी रुचि रखते हैं। उन्हें टेनिस और गोल्फ खेलना पसंद है। उनकी पत्नी का नाम कोमल सेठ है।

यूपी-बिहार और छत्तीसगढ़ में पेड़-बिजली गिरने से 13 की मौत

» मानसून म.प्र.-गुजरात में अटका, दिल्ली-हरियाणा में तापमान 43डिग्री

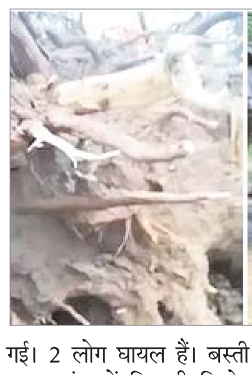

भोपाल/ जयपुर/ लखनऊ/ पटना ,एजेंसी। देश के 4 राज्यों राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और दिल्ली के कई इलाकों में प्री-मानसून बारिश जारी है। हालांकि, छह राज्यों में तेज गर्मी हो रही है। हरियाणा और दिल्ली में पारा 43डिग्री से ज्यादा दर्ज किया गया।

यूपी में मानसून की एंट्री के लिए सिस्टम एक्टिव हो गया है। सोमवार को लखनऊ समेत 15 जिलों में तेज बारिश हुई। मिर्जापुर में बारिश के बाद अंडरपास में करीब 3 फीट पानी भर गया। फिरोजाबाद के गांव में ई-रिक्शा पर नीम का पेड़ गिर गया, हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई। 2 लोग घायल हैं। बस्ती और महराजगंज में बिजली गिरने से 2 लोगों की मौत हो गई।

बिहार के 15 जिलों में सोमवार को आंधी के साथ बारिश हुई। सीतामढ़ी, मुंगेर और पटना में बिजली गिरने से 4 लोगों की मौत हो गई। 24 लोग झुलस गए।

छत्तीसगढ़ के सरगुजा में सोमवार शाम बिजली गिरने से 2 बच्चों और एक युवक की मौत हो गई। मध्य प्रदेश में सोमवार को 12 जिलों में बारिश हुई। मानसून ने 24 जून को मध्य प्रदेश-गुजरात में एंट्री ली थी। अब तक 22 राज्यों को कवर किया, लेकिन इसके बाद से आगे नहीं बढ़ा। मौसम विभाग के मुताबिक, 5 जुलाई मानसून पूरे देश को कवर कर लेगा।

असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (ASDMA) के मुताबिक, बाढ़ से राज्य के छह जिलों में 22 हजार से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। सबसे ज्यादा असर धेमाजी जिले में पड़ा है, जहां करीब 16 हजार लोग प्रभावित हैं। बाढ़ से 96 गांव डूब गए हैं, करीब 1690 हेक्टेयर फसल और 48 हजार से ज्यादा जानवर प्रभावित हुए हैं।

असम में बाढ़, 22 हजार से ज्यादा लोग प्रभावित... अरुणाचल प्रदेश और असम के कई हिस्सों में लगातार बारिश की वजह से बाढ़ और लैंडस्लाइड की स्थिति बनी हुई है। अरुणाचल में बारिश से लेकू नदी उफान पर आ गई, जिससे असम के जोनाई इलाके में भीषण बाढ़ आ गई। नेशनल हाईवे-515 भी डूब गया।

बंगाल में पेट्रोकेमिकल्स की पाइपलाइन में आग, 15 झुलसे: 2 की हालत गंभीर

पास से गुजरी रेलवे लाइन पर भी असर, ट्रेन सर्विस प्रभावित

हल्दिया,एजेंसी। पश्चिम बंगाल के हल्दिया में सोमवार देर रात 2:45 बजे नेफ्था सप्लाई करने वाली पाइपलाइन में ब्लास्ट के बाद आग गई। इसकी चपेट में हल्दिया नगर पालिका के वार्ड-13 के चिरंजीबपुर इलाके के कई घर आ गए। घटना में 15 लोग झुलस गए।

पुलिस के मुताबिक, सभी पीड़ितों को हल्दिया सब-डिविजनल अस्पताल में एडमिट कराया गया। 5 को तमलुक मेडिकल कॉलेज और अस्पताल रेफर किया गया। इनमें से 2 लोगों की हालत गंभीर है। आग बुझाने में 12 से ज्यादा फायर ब्रिगेड की गाड़ियां जुटी हुई हैं।

अधिकारियों ने बताया कि आग सबसे पहले हल्दिया पेट्रोकेमिकल्स की नेफ्था पाइपलाइन में दिखी। कुछ ही देर में आग आसपास के रिहायशी इलाके तक फैल गई।

आग लगने की वजह पता नहीं... पुलिस के मुताबिक पाइपलाइन में आग किस वजह से लगी, इसका पता नहीं चल सका है। पूरा इलाका कवर किया गया है। आग के कारण घटनास्थल के पास रेलवे की ओवरहेड बिजली लाइन के इक्विपमेंट भी क्षतिग्रस्त हुए हैं। घटना पर हल्दिया पेट्रोकेमिकल्स ने बयान जारी किया है।

साउथ रेलवे के मुताबिक जहां आग लगी उसके पास से हल्दिया और दुर्गाचक लाइन गुजरी है। फिलहाल ट्रेन सर्विस रोकी गई है।

अब यूजरनेम से भी होगी वॉट्सएप पर चैट

29 जून से बुकिंग शुरू; बिना मोबाइल नंबर बताए बातचीत भी कर सकेंगे

नई दिल्ली,एजेंसी। अब तक वॉट्सएप पर किसी नए व्यक्ति से बात करने के लिए मोबाइल नंबर देना जरूरी होता था, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। मेटा के स्वामित्व वाले वॉट्सएप ने यूजरनेम फीचर लॉन्च करने का ऐलान किया है। इसके बाद लोग अपना मोबाइल नंबर बताए बिना भी सिर्फ यूजरनेम के जरिए चैट कर सकेंगे।

कंपनी ने 29 जून से दुनियाभर में यूजरनेम की बुकिंग शुरू कर दी है। हालांकि यह सुविधा सभी यूजर्स को एक साथ नहीं मिलेगी। आने वाले कुछ महीनों में इसे धीरे-धीरे सभी देशों में रोल आउट किया जाएगा। जब यह फीचर यूजर के इलाके में उपलब्ध होगा, तब उसके वॉट्सएप के अंदर नोटिफिकेशन मिलेगा।

सबसे पहले जानें, जल्दी यूजरनेम बुक करना क्यों जरूरी है: दुनियाभर में करोड़ों यूजर्स एक जैसे या मिलते-जुलते यूजरनेम चुन सकते हैं। ऐसे में जो लोग पहले अपना यूजरनेम रिजर्व करेंगे, उन्हें अपनी पसंद का यूजरनेम मिलने की संभावना ज्यादा होगी।

वॉट्सएप के हेड कुणाल शाह ने X पर लिखा: सही समय ही सब कुछ है। दुनिया भर में यह फीचर जारी होने से पहले ही वॉट्सएप से जुड़ें और अपना यूजरनेम सुरक्षित कर लें। अब अपनी पसंद का यूजरनेम लेने का समय है। लोगों से जुड़ने का एक अधिक निजी (प्राइवेट) तरीका जल्द ही आपके वॉट्सएप पर आने वाला है।

इस नए फीचर से क्या बदलेगा... यूजरनेम फीचर आने के बाद कुछ स्थितियों में फोन नंबर अपने-आप दिखाई नहीं देगा।
इनमें शामिल हैं... इस बदलाव से आपका फोन नंबर निजी (प्राइवेट) रहेगा। वह तभी दिखाई देगा, जब आप खुद उसे साझा करना चाहेंगे।

एथेनॉल आवंटन में बदलाव नहीं करें, सुप्रीम कोर्ट का आदेश

● सरकार ने कहा- 20% एथेनॉल मिलाने की पॉलिसी एक एक्सपेरिमेंट, असर अगले साल और साफ होगा

दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एथेनॉल सप्लाई ईयर 2025-26 के लिए एथेनॉल आवंटन में कोई बदलाव नहीं करने का आदेश दिया। सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने कहा कि पेट्रोल में 20% एथेनॉल मिलाने (ई 20) की सरकारी नीति नहीं बदलेगी। इस योजना का पूरा असर अगले साल तक और साफ हो जाएगा।

कोर्ट ने भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (BPCL) की याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस एम एम सुंदरश और जस्टिस शील नागू की बेंच ने यह आदेश दिया। अटॉर्नी जनरल ने कहा कि कर्नाटक हाईकोर्ट के आदेश से सरकार की 20% एथेनॉल ब्लेंडिंग योजना पर असर पड़ सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि इसी तरह के कई मामले अलग-अलग हाईकोर्ट में चल रहे हैं।

एथेनॉल सप्लाई के समझौते अक्टूबर 2025 में ही हो चुके: सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि BPCL ने हाईकोर्ट की बड़ी बेंच में अपील क्यों नहीं की। इस पर अटॉर्नी जनरल ने कहा कि एथेनॉल सप्लाई के समझौते अक्टूबर 2025 में ही हो चुके हैं। अगर हर हाईकोर्ट में अलग-अलग सुनवाई हुई तो फैसला आने में देरी होगी और इससे देश की नीति प्रभावित हो सकती है। उन्होंने मामले को सुप्रीम कोर्ट में ट्रांसफर करने की अनुमति भी मांगी।

सुनवाई के बाद अटॉर्नी जनरल ने कहा कि 20% एथेनॉल मिलाने की नीति बदलने वाली नहीं है। हां, तेल कंपनियों को कितना एथेनॉल मिलेगा, यह मांग और दूसरी परिस्थितियों के हिसाब से कम या ज्यादा हो सकता है।

विवाद कैसे शुरू हुआ... यह मामला विन्प डिस्टिलरीज एंड शुगर प्राइवेट लिमिटेड की याचिका से जुड़ा है। कंपनी ने कर्नाटक हाईकोर्ट में कहा था कि उसने सिर्फ एथेनॉल बनाने का प्लांट लगाया है। उसकी सालाना क्षमता करीब 9.90 करोड़ लीटर है, लेकिन 2025-26 के लिए उसे सिर्फ 3.92 करोड़ लीटर एथेनॉल सप्लाई का ऑर्डर मिला। जबकि उसने 9.26 करोड़ लीटर की बोली लगाई थी।

36 साल बाद यासीन मलिक की चार्जशीट पेश

आरोप- कश्मीरी पंडित नर्स को किडनैप कर 4 दिन टॉर्चर किया, फिर मार डाला

श्रीनगर,एजेंसी। कश्मीरी पंडित नर्स सरला भट्ट के किड्नैप और हत्या के 36 साल पुराने केस में जम्मू-कश्मीर की स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (SIA) ने सोमवार को चार्जशीट कोर्ट में पेश की है। 737 पन्नों की चार्जशीट में जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (JKLF) के तत्कालीन चीफ कमांडर यासीन मलिक समेत 5 लोगों को आरोपी बनाया गया है।

चार्जशीट के मुताबिक, यासीन मलिक और उसके साथियों ने सरला भट्ट की किडनैपिंग और उनकी हत्या की साजिश रची थी। यासीन फिलहाल आतंकी फंडिंग के मामले में तिहाड़ जेल में उम्रकैद की सजा काट रहा है। वहीं, मुख्य शूटर खुर्शीद अहमद चालको अब भी फरार है। उसके क्ष्य में छिपे होने की आशंका है। सरला को गोली मारने वाला वही था। तीन और आरोपी अब्दुल हमीद शेख, मोहम्मद यूसुफ सोफी उर्फ इदरीस और गुलाम मोहम्मद टपलू की मौत हो चुकी है।

34 साल बाद SIA को जांच सौंपी गई थी: मार्च 2024 में यह केस जम्मू-कश्मीर की स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (SIA) को सौंपा गया। इसके बाद एजेंसी ने करीब दो साल तक मामले की जांच की।

जांच के दौरान कई जगह छापेमारी की गई। पुराने रिकॉर्ड खंगाले गए।

ट्रम्प बोले: पेट्रोल बेचने वाली कंपनियां तुरंत दाम घटाएं

» कच्चा तेल सस्ता हो गया, फिर भी ग्राहकों से ज्यादा पैसे वसूले जा रहे

तेल अवीव/ तेहरान/ वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पेट्रोल बेचने वाली कंपनियों से तुरंत पेट्रोल के दाम घटाने को कहा है। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि कच्चे तेल की कीमत घटकर 68 डॉलर प्रति बैरल रह गई है, लेकिन इसका फायदा ग्राहकों तक नहीं पहुंच रहा।

उन्होंने कहा कि लोग अब भी जरूरत से ज्यादा कीमत चुका रहे हैं, जबकि तेल लगातार सस्ता हो रहा है। उन्होंने कंपनियों से पेट्रोल की कीमत करीब 2.50 डॉलर प्रति गैलन तक लाने की अपील की।

ट्रम्प ने कहा कि ग्राहकों से जरूरत से ज्यादा पैसे वसूलना गैरकानूनी है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर कंपनियों ने जल्द दाम नहीं घटाए तो उन्हें बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। इससे पहले ट्रम्प अमेरिकी न्याय विभाग को बड़ी तेल कंपनियों की जांच के आदेश भी दे चुके हैं।

अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच तनाव बढ़ने के बाद तेल की कीमतों में उछाल आया था। अब कच्चे तेल की कीमतें घट गई हैं, लेकिन पेट्रोल-डीजल अब भी महंगा बिक रहा है।

दक्षिणी लेबनान में इजराइल का ड्रोन अटैक... दक्षिणी लेबनान में इजराइली ड्रोन ने एक घर पर हमला किया, जबकि दूसरे ड्रोन ने बिंत जुबैल जिले के एक इलाके में स्टन ग्रेनेड गिराया। लेबनान की सरकारी समाचार एजेंसी के अनुसार, इन घटनाओं में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

राम मंदिर चोरी-

अयोध्या पहुंचे यूपी कांग्रेस अध्यक्ष नजरबंद

● कई कांग्रेस नेता हाउस अरेस्ट ● सीसीटीवी की निगरानी में तैनात अफसर का 17 साल बाद ट्रांसफर

अयोध्या,एजेंसी। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर सियासत तेज हो गई। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को पुलिस ने सोमवार देर रात 11.30 बजे अयोध्या के एक होटल में नजरबंद कर दिया। थोड़ी देर बाद उन्हें कृषि विश्वविद्यालय के गेस्ट हाउस ले गई। कांग्रेस सांसद किशोरी लाल शर्मा, तनुज पूनिया और उज्जवल रमण सिंह को हाउस अरेस्ट किया गया है। अजय राय के नेतृत्व में कांग्रेस डेलिगेशन चढ़ावा चोरी का विरोध करने पहुंचा था। उन्होंने आज यानी मंगलवार को ट्रस्ट कार्यालय के घेराव का ऐलान किया था। इस बीच, कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दोपहर 12.30 बजे राम जन्मभूमि मंदिर कूच किया। पुलिस ने मंदिर से एक किलोमीटर पहले टेढ़ी बाजार में उन्हें रोक दिया। इससे कार्यकर्ता भड़क गए। धक्का-मुक्की करने लगे। पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर उन्हें हिरासत में लिया। घसीट-घसीटकर गाड़ी में भरा।

इससे पहले, अजय राय की पत्नी रीना राय ने वाराणसी से एक वीडियो जारी किया, उन्होंने कहा...
मेरे पति की आवाज दबाने के लिए भाजपा सरकार किसी भी हद तक गिर सकती है। पुलिस जीप में ले जाने के बाद हमारे सहयोगियों को गलत जानकारियां देकर भटकाया जा रहा है। 'चढ़ावा चोरों' के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी। अगर मेरे पति को कुछ भी होता है, तो जिम्मेदारी अधर्मी भाजपा सरकार की होगी।

2029 से अमरनाथ के लिए केबल कार चलाने की तैयारी

अप्रैल 2027 से काम शुरू होगा

» 5-8 घंटे का सफर 30 मिनट में पूरा होगा

जम्मू-श्रीनगर,एजेंसी। अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालु 2029 से बालटाल रूट पर केबल कार से सफर कर सकेंगे। केंद्र सरकार अगले साल अप्रैल से 11.6 किमी लंबे रोपवे प्रोजेक्ट का निर्माण शुरू करने की तैयारी में है। परियोजना पूरी होने के बाद बालटाल से संगम टॉप तक पहुंचने में 5 से 8 घंटे की जगह 25 से 30 मिनट लगेंगे। नेशनल हाईवे लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट लिमिटेड (NHLML) ने प्रोजेक्ट की डीपीआर तैयार कर ली है। इसे केंद्र सरकार की मंजूरी मिल चुकी है। सूत्रों के मुताबिक नवंबर-दिसंबर में टेंडर जारी किए जाएंगे। अप्रैल 2027 से निर्माण शुरू होगा। 2029 तक इसे चालू करने का लक्ष्य है।

केबल कार बालटाल के डोमेल गेट से चलकर संगम टॉप तक जाएगी। मुख्य गुफा और प्राकृतिक बर्फ के शिवलिंग की संवेदनशीलता को देखते हुए इसका आखिरी स्टेशन गुफा से करीब 2किमी. पहले बनाया जाएगा। अभी बालटाल से अमरनाथ गुफा तक 14किमी. पैदल चढ़ाई करनी पड़ती है। केबल कार शुरू होने के बाद श्रद्धालुओं को सिर्फ 2-3किमी. पैदल या पालकी से जाना होगा।

पैदल ट्रैक के समानांतर रोपवे नहीं बनेगा... सूत्रों के मुताबिक रोपवे मौजूदा पैदल मार्ग के बिल्कुल समानांतर नहीं बनेगा। इसे पहाड़ियों और गहरी खाइयों के ऊपर से सीधी हवाई लाइन में बनाया जाएगा। हालांकि, इसके टर्मिनल पैदल मार्ग से जुड़े रहेंगे, ताकि किसी आपात स्थिति में श्रद्धालुओं को सुरक्षित निकाला जा सके।

मणिपुर के डीजीपी ने काकचिंग एवं चंदेल जिलों का दौरा कर सुरक्षा तैयारियों का लिया जायजा

डीजीपी ने पीएचक्यू में स्पेशल कमांडो यूनिट के अधिकारियों और कमांडरों से की चर्चा

इंफाल,एजेंसी। मणिपुर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) मुकेश सिंह ने एडीजीपी (एल एंड ओ) के साथ मिलकर सोमवार को काकचिंग ज़िले, लेइकुन में 8वीं मणिपुर राइफल्स (एमआर) के मुख्यालय और चंदेल ज़िले का दौरा किया। इस दौरे का मकसद सुरक्षा तैयारियों, पुलिसिंग और विभागीय कल्याण कार्यों का जायज़ा लेना था। मणिपुर पुलिस मुख्यालय द्वारा आज दी गयी आधिकारिक जानकारी में बताया गया है कि काकचिंग ज़िले में, डीजीपी ने खेती के मौजूदा मौसम के दौरान संवेदनशील इलाकों में किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए ज़िला पुलिस की तैयारियों की समीक्षा की। ज़िला पुलिस, सीएपीएफ और केंद्रीय एजेंसियों के अधिकारियों के साथ बातचीत करते हुए, उन्होंने प्रभावी जांच, मामलों के तेज़ी से निपटारे, राष्ट्र-विरोधी तत्वों और ड्रग्स तस्करों के खिलाफ लगातार ऑपरेशन चलाने और

अवैध हथियारों एवं गोला-बारूद की बरामदगी के लिए प्रयासों को तेज़ करने पर ज़ोर दिया। उन्होंने भरोसा दिलाया कि बेहतरीन पेशेवर रवैया दिखाने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को उचित इनाम दिया जाएगा। डीजीपी ने काकचिंग ज़िला पुलिस की 'साइकिल पेट्रोल' पहल की भी तारीफ़ की, जो बीट पुलिसिंग का एक असरदार मॉडल है। उन्होंने विभिन्न सीएसओ (नागरिक समाज संगठनों) के प्रतिनिधियों से भी बातचीत की। लेइकुन में 8वीं एमआर के मुख्यालय में, डीजीपी ने विभिन्न पोस्ट और आउटपोस्ट पर तैनाती, स्टैटिक गार्ड और कानून-व्यवस्था से जुड़ी ड्यूटी पर समीक्षा बैठक की। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को यूनिट के भीतर सौहार्दपूर्ण माहौल बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित करते हुए पेशेवर रवैये, अनुशासन और काम के अच्छे तरीकों पर ज़ोर दिया। उन्होंने अधिकारियों से यह भी कहा कि वे विभागीय कल्याण के लिए यूनिट की ज़मीन और अन्य संसाधनों के बेहतर इस्तेमाल के नए तरीके खोजें।

चंदेल ज़िले के दौरे के दौरान, डीजीपी ने चंदेल के पुलिस अधीक्षक (एसपी) कार्यालय में नए सिरे से तैयार किए गए कॉन्फ्रेंस हॉल और नए बने साइबर सेल का उद्घाटन किया। इस साइबर सेल का मकसद साइबर अपराध की जांच को मज़बूत करना और पुलिसिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को आधुनिक बनाना है। इसके बाद उन्होंने चंदेल ज़िला पुलिस के अधिकारियों, सीएसओ के प्रतिनिधियों और असम राइफल्स के साथ बातचीत की। इस बातचीत के दौरान, उन्होंने पुलिसिंग से जुड़े मुद्दों की समीक्षा की, पेशेवर और लोगों पर केंद्रित पुलिसिंग पर ज़ोर दिया, शांति और सद्भाव बनाए रखने में ज़िला पुलिस और सीएसओ के बीच बेहतरीन तालमेल की तारीफ़ की और अलग-अलग एजेंसियों के बीच लगातार सहयोग के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने चंदेल के युवाओं को मणिपुर पुलिस की आने वाली भर्ती रैली में हिस्सा लेने के लिए भी प्रोत्साहित किया। इस बीच सोमवार को ही डीजीपी मुकेश सिंह ने एडीजीपी (एल एंड ओ) के साथ मिलकर पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) में स्पेशल कमांडो यूनिट के अधिकारियों और कमांडरों के साथ चर्चा कर महत्वपूर्ण जानकारी दी। इस ब्रीफिंग में राज्य में उभरती सुरक्षा चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए ऑपरेशनल तैयारी, प्रोफेशनलिज़्म, अनुशासन और समन्वित प्रयासों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

होटल के कमरे में नकली नोट छाप रहा था इंजीनियर, नेटवर्क खंगालने में जुटी फरीदाबाद पुलिस

नई दिल्ली, एजेंसी। फरीदाबाद पुलिस की क्राइम ब्रांच और सूरजकुंड थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक इंजीनियर को दबोचा है जो होटल के एक कमरे में नकली नोट छाप रहा था। आरोपी नोएडा की एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में काम करता है। पुलिस ने होटल के कमरे से लैपटॉप, प्रिंटर, विशेष कागज और नकली नोट बरामद किया है। आरोपी को अदालत में पेश किया गया। अदालत ने उसको 2 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर के पूरे नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है। आरोपी की पहचान फरीदाबाद के सेक्टर-17 निवासी विनायक झा के रूप में हुई है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आरोपी इंजीनियर दो दिन से होटल में ठहरा था, लेकिन कमरा लॉक करके गायब हो गया। आरोपी पर शक होने के बाद होटल के कर्मचारियों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने होटल के कमरे से एक लैपटॉप, एक प्रिंटर, नोट छापने में इस्तेमाल होने वाला कागज, 500 रुपये का नकली नोट और 100 रुपये के 10 नकली नोट बरामद किए गए हैं। इसके साथ ही नकली नोट छापने से संबंधित अन्य सामग्री भी जब्त की गई है। आरोपी विनायक झा ने वीआईटी, बेंगलुरु से स्नातक की पढ़ाई की है।

सूरजकुंड थाने में केस: आरोपी नोएडा स्थित एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में आईटी क्षेत्र में काम कर रहा है। सोमवार को होटल के एक कमरे में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने पर टीम मौके पर पहुंची लेकिन तब कमरे में कोई मौजूद नहीं था। तलाशी के दौरान पुलिस को नकली नोट और उनसे संबंधित अन्य सामग्री बरामद हुई। पुलिस ने सभी सामान जब्त कर सूरजकुंड थाने में केस दर्ज कर लिया है।

विभिन्न पहलुओं पर पूछताछ: पुलिस के प्रवक्ता ने बताया कि आरोपी से विभिन्न पहलुओं पर पूछताछ की जा रही है। पुलिस को उम्मीद है कि पूछताछ में महत्वपूर्ण जानकारियां मिल सकती हैं। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इतनी अच्छी शिक्षा लेने के बावजूद आरोपी ऐसी आपराधिक गतिविधि में कैसे शामिल हो गया।

पूरे नेटवर्क का पता लगाने में जुटी पुलिस: एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस पूरे नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है। पुलिस ने पता लगाने में जुटी है कि नेटवर्क में कितने लोग शामिल हैं। पुलिस ने कहा कि बरामद लैपटॉप, प्रिंटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की तकनीकी जांच की जाएगी। यह भी जांच की जा रही है कि आरोपी कहीं नकली नोट तैयार करने वाले किसी गिरोह के संपर्क में तो नहीं था। मामले में उसके अन्य साथियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

दोस्तों संग स्विमिंग पूल में नहाकर लौट रहा था घर, कार सवार बदमाशों ने पीट-पीटकर मार डाला

नई दिल्ली, एजेंसी। गाजियाबाद के लोनी बॉर्डर थानाक्षेत्र में युवक को बुरी तरह पीट-पीट मौत के घाट उतारने के मामले ने सबको चौंका दिया है। मारपीट की शुरूआत कार से बाइक टकराने के बाद हुई। टक्कर के बाद कार सवार दो हमलावरों ने किशोर को पीट-पीटकर मार डाला। टक्कर सोमवार दोपहर हुई थी और शाम को किशोर की मौत के बाद मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने छानबीन शुरू कर दी है।

दोस्तों संग स्विमिंग पूल में नहाकर लौट रहा था घर: लोनी की मुस्तफाबाद कॉलोनी में रहने वाले शौकत का छोटा बेटा 17 वर्षीय जैद सोमवार सुबह बेहटा हाजीपुर नहर रोड स्थित एक स्विमिंग पूल में नहाने गया था। उसके साथ बाइक पर दो दोस्त नदीम और इब्राहीम भी थे। दोस्तों ने बताया कि दोपहर करीब एक बजे स्विमिंग पूल से तीनों लौटने के दौरान एक कार की साइड से बाइक टकरा गई। इस पर कार से दो लोग बाहर आए और गालियां देनी शुरू कर दीं।

कार से टक्कर के बाद युवकों ने अगवा करके पीटा: विरोध पर हमलावरों ने बाइक चला रहे जैद को पीटा और खींचकर कार में अगवा कर लिया। दोनों उसे एक प्रॉपर्टी डीलर के कार्यालय में ले गए और बुरी तरह से मारपीट की। इब्राहीम और नदीम भी पीछा करते हुए पहुंचे, जहां दोनों किशोर को पीट रहे थे। इसी दौरान जैद बेहोश हो गया और आरोपी फरार हो गए।

अस्पताल में जैद की हो गई मौत, पुलिस कर रही छानबीन: दोस्त ई-रिक्शा से घायल जैद को उसके घर ले गए। शाम करीब चार बजे परिजन जैद को दिल्ली की जीटीबी अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सहायक पुलिस उपायुक्त ग्रामीण सुरेंद्र नाथ तिवारी ने बताया कि रोडरेज में मारपीट के बाद किशोर की मौत हुई है। आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा की पुण्य तिथि पर भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश कार्यालय में मंगलवार को डॉ. साहिब सिंह वर्मा की स्मृति में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा के साथ साहिब सिंह वर्मा के पुत्र एवं दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, महामंत्री विष्णु मित्तल, मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर, उपाध्यक्ष दिनेश प्रताप सिंह, युवा मोर्चा अध्यक्ष सागर त्यागी, पूर्वांचल मोर्चा अध्यक्ष संतोष ओझा, अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष अनीस अब्बासी, प्रवक्ता यासिर जिलानी के साथ पार्टी कार्यकर्ताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि डॉ. साहिब सिंह वर्मा ने अपना पूरा जीवन समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और जनकल्याण की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए समर्पित किया। वे एक ऐसे जननेता थे जिन्होंने गांव, गरीब, किसान और आम नागरिकों के हितों को हमेशा प्राथमिकता दी। उन्होंने कहा कि डॉ. साहिब सिंह वर्मा ने दिल्ली के मुख्यमंत्री के रूप में शिक्षा, परिवहन, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किए। दिल्ली के ग्रामीण क्षेत्रों और किसानों की समस्याओं को उन्होंने हमेशा मजबूती से उठाया और उनके विकास के लिए निरंतर प्रयास किया। मल्होत्रा ने कहा कि डॉ. साहिब सिंह वर्मा की सादगी, ईमानदारी और संगठन के प्रति निष्ठा आज भी कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

दिल्ली में विदेशी नागरिकों का एम्फेटामाइन रैकेट पकड़ा, 71 ग्राम ड्रग्स के साथ तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली,एजेंसी। मध्य जिला पुलिस की पटेल नगर थाना पुलिस ने 'नशा मुक्त भारत अभियान' के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए विदेशी नागरिकों से जुड़े एम्फेटामाइन तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने 71 ग्राम एम्फेटामाइन (व्यावसायिक मात्रा) के साथ तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनमें दो विदेशी नागरिक ऐसे हैं, जो वीजा की अवधि समाप्त होने के बावजूद अवैध रूप से भारत में रह रहे थे। मामले की जानकारी विदेश मंत्रालय को भी दे दी गई है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान प्रिंस, एफोसा मिकेल अटोहान उर्फ लियोन और जस्टिन चुकुवा के रूप में हुई है। प्रिंस मूल रूप से दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन का रहने वाला है और वर्ष 2023 में मेडिकल/टूरिस्ट वीजा पर भारत आया था। उसका वीजा मार्च 2026 में समाप्त हो गया था, लेकिन वह इसके बाद भी अवैध रूप से भारत में रह रहा था। एफोसा मिकेल अटोहान उर्फ लियोन नाइजीरिया के बेनिन सिटी का निवासी है। वह वर्ष 2019 में स्टूडेंट वीजा पर भारत आया था, जिसका वीजा 2023 में समाप्त हो

गया था। तीसरा आरोपित जस्टिन चुकुवा दिल्ली के निलोठी का रहने वाला है। उसके पिता नाइजीरियाई नागरिक हैं, जबकि मां भारतीय नागरिक हैं। मध्य जिले के पुलिस उपायुक्त रोहित राजबीर सिंह ने मंगलवार को बताया को 25 जून को सूचना मिली थी कि एक विदेशी नागरिक पटेल नगर इलाके में नशीले पदार्थों की सप्लाई कर रहा है। सूचना के आधार पर एसएचओ इंस्पेक्टर नवीन कुमार के नेतृत्व एक टीम गठित की गई। पुलिस ने शादीपुर फ्लाईओवर के पास जाल बिछाकर पहले आरोपी को 54 ग्राम एम्फेटामाइन के साथ दबोच लिया। पूछताछ के बाद निहाल विहार और निलोठी में लगातार छापेमारी कर उसके दो अन्य साथियों को भी गिरफ्तार कर लिया गया। तीनों आरोपितों के कब्जे से कुल 71 ग्राम एम्फेटामाइन बरामद हुई, जिसे कानून के अनुसार जब्त कर लिया गया। पूछताछ में आरोपितों ने खुलासा किया कि वे भारत और नाइजीरिया के बीच कपड़ों के आयात-निर्यात का कारोबार करने की आड़ में एम्फेटामाइन की खरीद-फरोख्त भी करते थे। तीनों मिलकर दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में नशीले पदार्थ की सप्लाई कर मोटा मुनाफा कमाते थे। जांच में यह भी सामने आया कि दोनों विदेशी आरोपितों के वीजा काफी पहले समाप्त हो चुके थे और वे अवैध रूप से भारत में रह रहे थे। इस संबंध में विदेश मंत्रालय को सूचना भेज दी गई है तथा वीजा से जुड़े रिकॉर्ड का सत्यापन किया जा रहा है। पुलिस अब ड्रग्स की सप्लाई करने वाले स्रोत, खरीदने वालों, वित्तीय लेन-देन, मोबाइल फोन, डिजिटल साक्ष्यों तथा अंतरराज्यीय और अंतरराष्ट्रीय कड़ियों की जांच कर रही है। आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड का भी सत्यापन कराया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि पूरे ड्रग्स नेटवर्क का पर्दाफाश करने के लिए जांच जारी है।

पोलियो फ्री पाकिस्तान लिखे पोस्टर पर मचा बवाल

कराची , एजेंसी। राजौरी जिले में पल्स पोलियो अभियान से जुड़े एक कथित अनधिकृत जागरूकता पोस्टर को लेकर स्वास्थ्य विभाग में विवाद खड़ा हो गया है। पोस्टर पर 'पोलियो फ्री पाकिस्तान' का नारा और नेशनल इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर का लोगो प्रकाशित होने के बाद मुख्य चिकित्सा अधिकारी राजौरी ने मामले को गंभीर मानते हुए ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर कंडी से विस्तृत स्पष्टीकरण और तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी है। सी.एम.ओ. कार्यालय की ओर से जारी पत्र के अनुसार इंटेंसिफाइड पल्स पोलियो इम्यूनाइजेशन (आई.पी.पी.आई.)-2026 से संबंधित यह आई.ई.सी. पोस्टर सोशल मीडिया और विभिन्न व्हाट्सएप ग्रुपों में व्यापक रूप से प्रसारित किया गया। पोस्टर पर बी.एम.ओ. कंडी का नाम और पदनाम अंकित होने से यह संदेश गया कि इसे स्वास्थ्य विभाग की आधिकारिक स्वीकृति प्राप्त है। हालांकि विभागीय जांच में पाया गया कि पोस्टर पर 'पोलियो फ्री पाकिस्तान' का नारा और एन.ई.ओ.सी. का लोगो इस्तेमाल किया गया है, जिनका जम्मू-कश्मीर स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग अथवा भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के किसी भी अधिकृत कार्यक्रम से कोई संबंध नहीं है।

यूरोप में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी का कहर, 22 शहरों में रेड अलर्ट फ्रांस-स्पेन और इटली समेत कई देशों में और बढ़ेगा तापमान

रोम एजेंसी। यूरोपीय देशों में पिछले एक हफ्ते से रिकॉर्ड तोड़ गर्मी पड़ रही है। इस गर्मी के चलते पूरे महाद्वीप में सैकड़ों लोगों की मौत हुई है और लोगों के दैनिक जीवन पर बुरा असर पड़ा है। साथ ही जंगलों में आग लगने की घटनाएं बढ़ गई हैं। मौसम वैज्ञानिकों द्वारा यह चेतावनी भी दी गई है कि अगले हफ्ते की शुरुआत से फ्रांस और जर्मनी जैसे देश जहां पिछले कुछ दिनों में गर्मी का सबसे ज्यादा असर देखा गया, वहां गर्मी फिर से बढ़ सकती है।

इटली के 22 शहरों में रेड अलर्ट: यूरोप में पिछले एक हफ्ते से जारी रिकॉर्ड तोड़ हीटवेव (लू) ने अब इटली और बाल्कन देशों को अपनी चपेट में ले लिया है।

इटली के उत्तर में बोलजानो से लेकर दक्षिणी द्वीप सिसिली में पलेर्मो तक 22 शहरों में रेड हीट वॉर्निंग (भीषण गर्मी की चेतावनी) जारी की गई है।

वेटिकन सिटी में भी गर्मी का असर: इस भीषण गर्मी का असर वेटिकन सिटी में भी साफ देखने को मिला, जहां सेंट्स पीटर एंड पॉल के त्योहार पर पोप लियो का पारंपरिक एंजेलस संदेश सुनने के लिए भारी भीड़ उमड़ी थी। चिलचिलाती धूप से बचने के लिए वहां मौजूद तीर्थयात्री लगातार पंखों और छतरियों का सहारा लेते दिखाई दिए।

गर्मी फिर बढ़ेगी

इटली की मौसम विज्ञान सोसायटी के अध्यक्ष लुका मर्काली ने कहा कि 5-6 जुलाई से तापमान फिर से बढ़ने की संभावना है। उन्होंने कहा, प्रभावित इलाके मोटे तौर पर पहली लहर जैसे ही हैं, जिनमें फ्रांस, स्पेन, जर्मनी, इटली, स्विट्जरलैंड और कुछ हद तक ब्रिटेन शामिल हैं। उन्होंने आगे कहा, भीषण गर्मी के साथ जंगल की आग का खतरा बढ़ जाता है, लेकिन यहां भारी बारिश और तूफान की भी संभावना है।

ब्रिटेन की रक्षा खर्च निवेश योजना में देरी से सैन्य आपूर्ति कंपनियों पर बुरा असर

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में रक्षा निवेश योजना में नौ महीने की देरी के कारण सैन्य आपूर्ति से जुड़ी कंपनियों पर बुरा असर पड़ रहा है। रूस से बढ़ते खतरे के बीच रक्षा खर्च की योजनाओं को तय करने में इस देरी के कारण कुछ छोटे सप्लायर बर्बाद हो गए हैं, दूसरों ने निवेश रोक दिया है और कई अन्य ने विदेशों में विस्तार का फैसला किया है। हालांकि, प्रधानमंत्री कीएर स्टार्मर के मंगलवार को रक्षा निवेश योजना जारी करने की उम्मीद है। रक्षा और वित्त विभागों के बीच इस बात पर महीनों तक बहस चली थी कि अनुमानित 28 बिलियन पाउंड की कमी को कैसे पूरा किया जाए। एआई डिफेंस कंपनी ऑक्सफोर्ड डायनामिक्स की चीफ एग्जीक्यूटिव शेफली शर्मा ने कहा, हमें रक्षा निवेश योजना की जरूरत है, ताकि निजी निवेशकों को भरोसा मिल सके। इसके न होने से व्यापार को नुकसान हो रहा है। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय से कांट्रैक्ट मिलने बंद हो गए हैं और छोटी-मोटी खरीद में भी सामान्य से ज्यादा समय लग रहा है। इससे कंपनियां विदेशों में विस्तार पर ध्यान देने को मजबूर हैं। परिणामस्वरूप दर्जनों छोटी कंपनियां या तो बंद हो गई हैं या दूसरे उद्योगों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए अपनी डिफेंस यूनिट्स बंद कर दी हैं। डिफेंस कंपनी कोहोर्ट के चीफ एग्जीक्यूटिव ने कहा कि पिछले 18 महीनों में जर्मनी, पोलैंड, नार्डिक और बाल्टिक देशों की सेनाओं से मांग साफ तौर पर बढ़ी है, जबकि ब्रिटेन में ऐसा नहीं हुआ है।

बातचीत पर अमेरिका-ईरान के दावों में विरोधाभास ट्रंप बोले- बैठक होगी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान ने सोमवार को अलग-अलग घोषणा की कि वे इस हफ्ते कतर में प्रतिनिधिमंडल भेजेंगे, हालांकि तेहरान ने ज़ोर देकर कहा कि वह अमेरिका के साथ किसी भी स्तर पर बातचीत करने के लिए सहमत नहीं हुआ है, क्योंकि सप्ताहांत में फ़ारस की खाड़ी में हुए हमलों ने युद्ध खत्म करने की बातचीत को दिशाहीन कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान ने अमेरिका के साथ बैठक का अनुरोध किया है और दोनों पक्ष मंगलवार को दोहा (कतर) में मिलने की योजना बना रहे हैं। लेकिन ईरान के एक वरिष्ठ वार्ताकार ने ऐसी किसी बैठक से इनकार किया। वहीं, ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि उनका प्रतिनिधिमंडल कतर जाएगा, जो वार्ता में एक प्रमुख मध्यस्थ है, लेकिन वहां अमेरिका की भागीदारी के बिना अंतरिम

समझौते की शर्तों पर चर्चा की जाएगी। हाल के दिनों में होर्मुज़ जलडमरूमध्य में तनाव काफी बढ़ गया है। युद्ध शुरू होने से पहले दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत तेल की आपूर्ति इसी मार्ग से होती थी। लगातार चार दिनों तक हमलों के बाद सोमवार को दोनों पक्षों ने अपने हमले रोक दिए। अमेरिका और ईरान ने इसी महीने एक अंतरिम समझौता किया था, जिसके तहत ईरान अपने संवर्द्धित यूरेनियम के भंडार को कम करेगा। अमेरिका तेल प्रतिबंधों में राहत देगा, होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित की जाएगी और दोनों देशों को व्यापक समझौते के लिए 60 दिन का समय दिया जाएगा। ट्रंप के सोशल मीडिया पर बैठक की घोषणा करने के बाद व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलाइन लेविट ने बताया कि विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और ट्रंप के दामाद जारेड कुशनर कतर रवाना हो रहे हैं। इस वार्ता में एक अन्य मध्यस्थ पाकिस्तान ने भी कहा था कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत मंगलवार से फिर शुरू होगी। हालांकि, ईरान के वरिष्ठ वार्ताकार कासिम घरीबाबादी ने सरकारी मीडिया से कहा कि किसी वार्ता की पुष्टि नहीं हुई है। वहीं विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि ईरानी प्रतिनिधिमंडल कतर जाकर जब्त ईरानी धन की रिहाई और अंतरिम समझौते से जुड़े अन्य मुद्दों पर चर्चा करेगा। उन्होंने कहा, आने वाले दिनों में अमेरिका के साथ किसी भी स्तर पर कोई वार्ता निर्धारित नहीं है।

ग्रामीण महिलाओं के उद्यमों का सांसद-विधायक ने किया अवलोकन, आत्मनिर्भरता की दिशा में बढ़ा उत्साह

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्य प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत संचालित विभिन्न आजीविका गतिविधियों का सोमवार को सांसद डॉ. राजेश मिश्रा और विधायक धौहनी कुँवर सिंह टेकाम ने भ्रमण कर अवलोकन किया इस दौरान जनप्रतिनिधियों ने ग्रामीण महिलाओं द्वारा संचालित स्व-सहायता समूहों की गतिविधियों की सराहना करते हुए उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया भ्रमण के दौरान ग्राम पंचायत टिकरी में पंचवटी स्व-सहायता समूह द्वारा संचालित दोना-पत्तल निर्माण इकाई, पूजा स्व-सहायता समूह द्वारा संचालित सत्तू एवं जनरल स्टोर तथा ग्राम दादर में वैभव लक्ष्मी स्व-सहायता समूह द्वारा संचालित एलईडी बल्ब निर्माण इकाई का निरीक्षण किया गया इस अवसर पर सांसद और विधायक ने समूह की महिलाओं से संवाद कर उनके कार्य उत्पादन प्रक्रिया और आय के स्त्रोतों की जानकारी ली जनप्रतिनिधियों ने महिलाओं द्वारा बनाए गए उत्पादों का अवलोकन किया और उनका उत्साहवर्धन करते हुए कई उत्पादों की खरीद भी की इससे महिलाओं में उत्साह और आत्मविश्वास देखने को मिला। कार्यक्रम के दौरान यह संदेश दिया गया कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने से न केवल परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है बल्कि समग्र ग्रामीण विकास को भी गति मिलती है। सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्व-सहायता समूहों को आत्मनिर्भर भारत की मजबूत आधारशिला के रूप में विकसित किया जा रहा है उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश सरकार महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए लगातार नवाचार कर रही है उन्होंने बताया कि दोना-पत्तल निर्माण जैसी गतिविधियां पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन का महत्वपूर्ण माध्यम बन रही हैं। सांसद ने महिलाओं को कैश क्रेडिट लिमिट (ष्टष्टरु) का अधिकतम लाभ उठाकर अपने उद्यमों का विस्तार करने की सलाह दी उन्होंने कहा कि महिलाओं को अपनी क्षमता और कौशल के आधार पर आगे बढ़ते हुए 'लखपति दीदी' बनने की दिशा में प्रयास करना चाहिए, जिससे वे आर्थिक रूप से स्वतंत्र और सशक्त बन सकें। विधायक कुँवर सिंह टेकाम ने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप प्रत्येक स्व-सहायता समूह को मजबूत और आत्मनिर्भर बनाना प्राथमिकता है उन्होंने महिलाओं से आग्रह किया कि वे केवल एक गतिविधि तक सीमित न रहें बल्कि एक से अधिक आजीविका गतिविधियों से जुड़कर अपनी आय के स्त्रोत बढ़ाएं उन्होंने कहा कि कौशल विकास और स्वरोजगार ही ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक मजबूती की ओर ले जा सकते हैं विधायक ने यह भी कहा कि 'लखपति दीदी' अभियान केवल एक सरकारी योजना नहीं बल्कि ग्रामीण महिलाओं के जीवन में सम्मान, आत्मनिर्भरता और आर्थिक स्थिरता लाने का प्रभावी माध्यम है उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन प्रयासों से महिलाएं न केवल अपने परिवार की स्थिति सुधारेंगी बल्कि पूरे गांव और जिले के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देंगी।

भ्रमण के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शैलेन्द्र सिंह सोलंकी, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) आर.पी. त्रिपाठी, समाजसेवी के.के. मिश्रा, वरुण पांडे सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे सभी ने महिलाओं के कार्यों की सराहना की और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर यह स्पष्ट संदेश दिया गया कि ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी से ही आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था का निर्माण संभव है स्व-सहायता समूहों के माध्यम से महिलाएं न केवल आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं बल्कि समाज में अपनी एक नई पहचान भी बना रही हैं।

रीवा कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में रील बनाने का मामला, जांच के आदेश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट कार्यालय के मोहन सभागार में एक युवती द्वारा फोटो खींचकर सोशल मीडिया के लिए रील बनाए जाने का मामला सामने आने के बाद प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं घटना का वीडियो वायरल होने के बाद पूरे प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच गया है और प्रभारी कलेक्टर ने मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं। मोहन सभागार वही स्थान है जहां जिले के वरिष्ठ अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठकें और प्रशासनिक चर्चाएं आयोजित की जाती हैं ऐसे संवेदनशील स्थल पर बिना अनुमति किसी बाहरी व्यक्ति के पहुंचने और वहां फोटो व वीडियो सामग्री तैयार किए जाने को गंभीर सुरक्षा चूक माना जा रहा है।

फोटो जोड़कर बनाई गई रील, 'चंबल की डाकू' गाना लगाया गया: जानकारी के अनुसार वायरल रील किसी एक वीडियो से नहीं, बल्कि अलग-अलग तस्वीरों को जोड़कर तैयार की गई है युवती ने मोहन सभागार के भीतर ली गई तस्वीरों को क्रमवार जोड़कर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किया इस रील में बैकग्राउंड में 'चंबल की डाकू' नामक गाना लगाया गया, जिसके बाद यह वीडियो तेजी से वायरल हो गया और विवाद खड़ा हो गया।

सोशल मीडिया पर वीडियो सामने आने के बाद लोगों में नाराजगी देखी जा रही है। कई यूजर्स ने सवाल उठाए हैं कि आखिर एक आम व्यक्ति को कलेक्ट्रेट के इतने महत्वपूर्ण और प्रतिबंधित माने जाने वाले सभागार तक पहुंच कैसे मिली।

सुरक्षा व्यवस्था और प्रोटोकॉल पर सवाल: मोहन सभागार में जिला प्रशासन की उच्च स्तरीय बैठकें होती हैं और आम लोगों की यहां सीधी पहुंच सीमित होती है ऐसे में बिना अनुमति अंदर प्रवेश कर फोटो और रील बनाना सुरक्षा व्यवस्था की गंभीर चूक माना जा रहा है घटना के बाद कलेक्ट्रेट परिसर की सुरक्षा व्यवस्था, गेट नियंत्रण और प्रवेश प्रक्रिया को लेकर भी बहस शुरू हो गई है नागरिकों का कहना है कि जहां आम लोग अपनी समस्याओं के लिए घंटों इंतजार करते हैं वहीं प्रशासनिक भवन के भीतर इस तरह की गतिविधियां होना व्यवस्था की कमजोरी को उजागर करता है।

प्रभारी कलेक्टर ने दिए जांच के आदेश: मामला सामने आते ही प्रशासन ने इसे गंभीरता से लिया है। प्रभारी कलेक्टर अक्षत जैन ने कहा कि सबसे बड़ा सवाल यह है कि संबंधित युवती मोहन सभागार तक कैसे पहुंची और किन परिस्थितियों में उसने वहां तस्वीरें लीं उन्होंने बताया कि पूरे मामले की विस्तृत जांच कराई जा रही है। जांच में यह पता लगाया जाएगा कि सुरक्षा में चूक कहां हुई और इसमें किस स्तर पर लापरवाही हुई है उन्होंने कहा कि जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे उनके आधार पर जिम्मेदारों पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि किसी भी सरकारी कार्यालय या परिसर का निजी उपयोग बिना अनुमति किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

जलगंगा संवर्धन अभियान के समापन पर सांसद-विधायक ने दिलाया जल संरक्षण का संकल्प

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। धौहनी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम सहिजनहा में जलगंगा संवर्धन अभियान का जिला स्तरीय समापन समारोह उत्साह, जनभागीदारी और पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ आयोजित किया गया इस अवसर पर सांसद डॉ. राजेश मिश्रा और विधायक कुँवर सिंह टेकाम ने कलश यात्रा में सहभागिता करते हुए तालाब पूजन किया तथा उपस्थित ग्रामीणों को जल संरक्षण का संकल्प दिलाया कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों ने ग्रामीणों से आत्मीय संवाद कर जल संरक्षण को जनआंदोलन के रूप में आगे बढ़ाने का आह्वान किया। समारोह में बड़ी संख्या में ग्रामीण, जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में विकास के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी समान प्राथमिकता दी जा रही है उन्होंने कहा कि जल संरक्षण अब केवल सरकारी योजना नहीं बल्कि जनभागीदारी का राष्ट्रीय अभियान बन चुका है अमृत सरोवर, 'कैच द रेन' और अन्य जल संरक्षण कार्यक्रमों ने समाज में नई चेतना पैदा की है उन्होंने कहा कि आज हर नागरिक जल संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभा रहा है जो विकसित भारत की मजबूत नींव है उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश में जलगंगा संवर्धन अभियान के माध्यम से तालाबों, कुओं, बावड़ियों और अन्य पारंपरिक जल स्त्रोतों का संरक्षण एवं पुनर्जीवन तेजी से किया जा रहा है यह अभियान केवल संरचनाओं के निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में जल के प्रति जिम्मेदारी और संवेदनशीलता विकसित करने का प्रभावी माध्यम बन गया है सांसद ने ग्रामीणों से अपील की कि वे वर्षा जल को संचित करने, जल स्त्रोतों को प्रदूषण और अतिक्रमण से बचाने तथा अधिक से अधिक पौधरोपण करने का संकल्प लें विधायक कुँवर सिंह टेकाम ने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में गांवों के समग्र विकास के साथ प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है ।

गरौली में जमीनी विवाद के चलते जेसीबी से घर तोड़ा, पीड़ित ने सीसीटीवी फुटेज सौंपकर कार्रवाई की मांग की

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के देवसर क्षेत्र अंतर्गत गरौली में जमीन विवाद ने सोमवार देर रात गंभीर रूप ले लिया जब एक परिवार का मकान कथित रूप से जेसीबी मशीन से ढहा दिया गया इस घटना के बाद पीड़ित परिवार ने पूरी वारदात का सीसीटीवी फुटेज पुलिस को सौंपकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के पीड़ित रंगनाथ गुप्ता ने जियावान थाने में शिकायत दर्ज कराई है शिकायत में उन्होंने आरोप लगाया है कि सोमवार देर रात करीब 2 बजे रामायण बसोर नामक व्यक्ति लगभग एक दर्जन लोगों के साथ उनके घर पहुंचा और बिना किसी चेतावनी या चर्चा के जेसीबी मशीन से मकान को तोड़ना शुरू कर दिया अचानक हुई इस कार्रवाई से पूरा परिवार दहशत में आ गया। पीड़ित ने बताया कि आधी रात को हुई इस घटना के दौरान आरोपियों ने पूरी तरह से मकान को ध्वस्त कर दिया घटना के बाद मंगलवार को उन्होंने पुलिस को सीसीटीवी फुटेज भी सौंपा जिसमें कथित तौर पर मकान तोड़े जाने की पूरी घटना रिकॉर्ड है पीड़ित परिवार का आरोप है कि शिकायत दर्ज कराने के बावजूद अब तक आरोपियों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है उन्होंने प्रशासन से निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। वहीं मामले को लेकर देवसर एसडीओपी गायत्री मिश्रा ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच लंबे समय से जमीन की सीमा को लेकर विवाद चल रहा है इससे पहले भी दोनों पक्षों में कई बार झगड़े हो चुके हैं।

भूसे के बीच छिपा मिला 87 किलो गांजा, रीवा में दो आरोपी गिरफ्तार, एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज

मीडिया ऑडीटर,रीवा (निप्र)। जिले के पनवार थाना क्षेत्र में पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम खारा के जोरी टोला में छापेमारी कर 87 किलो गांजा बरामद किया है इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है जबकि अन्य संदिग्धों की तलाश की जा रही है। पुलिस के अनुसार उन्हें मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि शंकर लाल कोल के घर स्थित भूसे वाले मकान में बड़ी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ छिपाकर रखा गया है सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर तलाशी अभियान चलाया तलाशी के दौरान पुलिस को भूसे के ढेर के नीचे छिपाकर रखा गया भारी मात्रा में गांजा मिला जिसका वजन लगभग 87 किलोग्राम बताया जा रहा है पुलिस ने मौके से मादक पदार्थ को जब्त कर सुरक्षित कब्जे में ले लिया। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया जिनकी पहचान शंकर लाल कोल (पिता सोमनाथ कोल) और पुनीत सिंह (पिता राजन सिंह डोडा) के रूप में हुई है दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया गया जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पनवार थाना प्रभारी प्रवीण उपाध्याय ने बताया कि यह कार्रवाई मुखबिर की सूचना के आधार पर की गई थी प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मादक पदार्थ को काफी सावधानी से भूसे के ढेर में छिपाकर रखा गया था, ताकि पुलिस की नजर से बचा जा सके हालांकि समय रहते कार्रवाई कर पुलिस ने बड़ी मात्रा में नशे के कारोबार का खुलासा कर दिया उन्होंने बताया कि मामले की विस्तृत जांच जारी है और गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की जा रही है पूछताछ के आधार पर इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि यह गांजा कहां से लाया गया था और इसे किस नेटवर्क के जरिए सप्लाई किया जाना था। इस कार्रवाई को नशे के खिलाफ चल रहे अभियान में एक बड़ी सफलता माना जा रहा है पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जिले में मादक पदार्थों की तस्करी पर पूरी सख्ती से निगरानी रखी जा रही है और ऐसे मामलों में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। स्थानीय प्रशासन ने भी लोगों से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें ताकि समाज में नशे के बढ़ते खतरे को रोका जा सके और युवाओं को इस कुप्रवृत्ति से बचाया जा सके।

सतना में तीन घंटे की बारिश ने खोली स्मार्ट सिटी दावों की पोल, जिला अस्पताल और कॉलेज परिसर में जलभराव

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मंगलवार को हुई मानसून की पहली तेज बारिश ने सतना शहर की व्यवस्थाओं की पोल खोल दी करीब तीन घंटे की बारिश के बाद शहर के कई प्रमुख इलाके जलमग्न हो गए जिला अस्पताल, गर्ल्स कॉलेज, बस स्टैंड और भरहुत नगर सहित कई क्षेत्रों में भारी जलभराव की स्थिति बन गई जिससे आम जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हुआ सबसे अधिक परेशानी जिला अस्पताल परिसर में देखने को मिली, जहां पानी भर जाने से मरीजों और उनके परिजनों को कीचड़ और जलभराव के बीच से गुजरना पड़ा अस्पताल आने-जाने वाले लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा इसी तरह गर्ल्स कॉलेज परिसर और आसपास की सड़कों पर भी पानी भर गया जिससे छात्राओं को आवाजाही में परेशानी हुई शहर की कई मुख्य सड़कें बारिश के बाद तालाब जैसी नजर आने लगीं भरहुत नगर और बस स्टैंड क्षेत्र में हालात और भी खराब रहे जहां घुटनों तक पानी भर गया कई जगह ई-रिक्शा और छोटे वाहन जलभराव में फंस गए जिससे यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई बारिश के दौरान कई स्थानों पर सीवर लाइन के चैंबर फटने की भी खबरें सामने आईं जिससे सड़कों पर गंदा पानी बहने लगा इससे लोगों की परेशानी और बढ़ गई स्थानीय नागरिकों का कहना है कि नगर निगम द्वारा मानसून से पहले नालों और नालियों की सफाई के दावे किए गए थे, लेकिन पहली ही तेज बारिश में व्यवस्था की वास्तविक स्थिति सामने आ गई।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनीं 414 आवेदकों की समस्याएं, त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला पंचायत सभागार में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर विकास मिश्रा ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे 414 आवेदकों की समस्याएं गंभीरतापूर्वक सुनीं इस दौरान उन्होंने प्राप्त सभी आवेदनों पर त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर ने कहा कि नागरिकों की समस्याओं का समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी प्रकरणों का निराकरण निर्धारित समय-सीमा में किया जाए तथा आवेदकों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। कलेक्टर ने विशेष रूप से गंभीर प्रकृति की शिकायतों पर समय-सीमा तय करते हुए संबंधित विभागों को त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि प्रत्येक आवेदन को संवेदनशीलता के साथ देखा जाए और उसका समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाए ताकि आम नागरिकों को राहत मिल सके। जनसुनवाई के दौरान हितग्राहीमूलक योजनाओं से जुड़ी शिकायतों को सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर दर्ज करने के निर्देश भी दिए गए कलेक्टर ने कहा कि इससे मामलों की नियमित मॉनिटरिंग संभव होगी और लंबित शिकायतों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जा सकेगा उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों की नियमित समीक्षा करें और किसी भी स्थिति में शिकायतें अनावश्यक रूप से लंबित न रहें बैठक के दौरान कलेक्टर ने कई मामलों में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए संबंधित उपखंड अधिकारियों, तहसीलदारों, नायब तहसीलदारों तथा जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों से दूरभाष पर चर्चा भी की।

वित्तीय साक्षरता शिविर में विद्यार्थियों को दी गई बचत, निवेश और साइबर सुरक्षा की जानकारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। भारतीय रिजर्व बैंक के वित्तीय समावेशन विभाग के अंतर्गत एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय टमसार (विकासखंड कुसमी) के सभागार में 29 जून 2026 को विद्यार्थियों के लिए वित्तीय साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया इस शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रारंभिक स्तर से ही वित्तीय प्रबंधन, डिजिटल बैंकिंग और साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करना रहा कार्यक्रम में भारतीय रिजर्व बैंक, भोपाल से सीधी जिले के अग्रणी जिला अधिकारी अंकुश सिन्हा तथा अग्रणी जिला प्रबंधक अवध बिहारी चौधरी उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को वित्तीय साक्षरता के मूलभूत पहलुओं की विस्तार से जानकारी दी और उन्हें सुरक्षित वित्तीय व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित किया अधिकारियों ने विद्यार्थियों को बताया कि जीवन में बचत की आदत बेहद आवश्यक है क्योंकि यह भविष्य की आर्थिक सुरक्षा की आधारशिला होती है इसके साथ ही उन्होंने बीमा, निवेश और पेंशन योजनाओं के महत्व पर प्रकाश डालते हुए समझाया कि सही वित्तीय निर्णय कैसे दीर्घकालीन लाभ प्रदान कर सकते हैं डिजिटल बैंकिंग के बढ़ते उपयोग के इस दौर में उन्होंने विद्यार्थियों को सुरक्षित ऑनलाइन लेनदेन की जानकारी भी दी शिविर में विशेष रूप से साइबर सुरक्षा और साइबर फ्रॉड से बचाव पर जोर दिया गया। विद्यार्थियों को बताया गया कि अनजान लिंक, ओटीपी साझा करने, फर्जी कॉल और ऑनलाइन धोखाधड़ी से कैसे बचा जा सकता है उन्होंने सतर्कता और जागरूकता को डिजिटल युग की सबसे बड़ी सुरक्षा बताया। कार्यक्रम के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया इसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और वित्तीय विषयों पर अपनी समझ का प्रदर्शन किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को भारतीय रिजर्व बैंक के प्रतिनिधियों, अग्रणी जिला प्रबंधक एवं विद्यालय के प्राचार्य रामपाल सिंह द्वारा पुरस्कृत किया गया। प्रतिभागी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए अधिकारियों ने कहा कि वित्तीय शिक्षा केवल वयस्कों के लिए ही नहीं बल्कि विद्यार्थियों के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है, ताकि वे भविष्य में जिम्मेदार और जागरूक नागरिक बन सकें। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्यालय प्रबंधन, सभी शिक्षकों तथा सीएफएल सीधी के रामगोपाल वर्मा का विशेष सहयोग रहा विद्यालय प्रशासन ने कहा कि इस तरह के शिविर विद्यार्थियों में आर्थिक समझ विकसित करने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं शिविर के अंत में यह संदेश दिया गया कि वित्तीय साक्षरता, बचत की आदत और साइबर सुरक्षा की जानकारी आज के समय में हर व्यक्ति के लिए आवश्यक है, जिससे वे सुरक्षित और सशक्त आर्थिक भविष्य की ओर बढ़ सकें।

बुजुर्गों की सुविधा-सुरक्षा अनुकूल हों डिजिटल सेवाएं

संपादकीय

तकनीक दौर में चुनौती यह है कि विकास समावेशी हो। डिजिटल सेवाओं का डिज़ाइन वरिष्ठ नागरिकों की जरूरतों के अनुरूप बनाया जाए। बैंकिंग व सरकारी एप अधिक सरल हों, बड़े वित्तीय लेनदेन में अतिरिक्त मानवीय सत्यापन की व्यवस्था हो तथा साइबर सुरक्षा को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाए जाएं।

तकनीक ने मानव जीवन की रफ्तार को अभूतपूर्व गति दी है। सुबह की चाय के डिजिटल भुगतान से लेकर हवाई टिकट और बैंकिंग तक, सब कुछ अब एक छोटी-सी स्क्रीन पर सिमट गया है। युवाओं के लिए यह सुविधा और अवसर का नया संसार है, लेकिन हमारे बुजुर्गों के लिए यही दुनिया कई बार उलझन, असुरक्षा और निर्भरता का कारण बन जाती है। अपनों से जुड़े रहने की खुशी और हर काम के डिजिटल होने की मजबूरी के बीच पुरानी पीढ़ी जिस संघर्ष से गुजर रही है, वह आज की एक बड़ी विडंबना बन गई है।

स्मार्टफोन अब केवल युवाओं का उपकरण नहीं रहा। दादा-दादी वीडियो कॉल पर दूर बैठे अपने पोते-पोतियों को देखकर भावुक हो उठते हैं। व्हाट्सएप पर परिवार से जुड़े रहना, पुराने मित्रों को खोजना और यूट्यूब पर भजन सुनना उनके अकेलेपन को काफी हद तक कम करता है। लेकिन यही तकनीक कई बार उनके लिए परेशानी का कारण भी बन जाती है। स्क्रीन पर दर्जनों एप, लगातार आने वाले संदेश, अचानक बदली हुई सेटिंग या किसी जरूरी फाइल के मिट जाने का डर उन्हें हमेशा असहज बनाए रखता है। छोटी-सी तकनीकी चूक भी उनका आत्मविश्वास डगमगा देती है। कई बुजुर्ग इस डर से स्मार्टफोन का सीमित उपयोग करते हैं और हर नए डिजिटल काम के लिए परिवार के किसी सदस्य का इंतजार करते हैं। उनकी आत्मनिर्भरता भी प्रभावित होती है। सबसे गंभीर चिंता साइबर ठगी का बढ़ता खतरा है। डिजिटल दुनिया की सीमित समझ का फायदा उठाकर अपराधी बुजुर्गों को सबसे आसान निशाना बना रहे हैं। फर्जी बैंक अधिकारी, पुलिसकर्मी या सरकारी कर्मचारी बनकर फोन करना अब आम बात हो गई है। 'डिजिटल अरेस्ट' जैसे नए साइबर अपराधों में ठग वीडियो कॉल के जरिए कानूनी कार्रवाई का डर दिखाकर वरिष्ठ नागरिकों से लाखों-करोड़ों रुपये ठग लेते हैं। केवाईसी अपडेट, पेंशन बंद होने या बैंक खाते के सत्यापन के नाम पर ओटीपी और बैंक विवरण हासिल कर जीवनभर की जमा-पूंजी साफ कर दी जाती है। आर्थिक नुकसान उन्हें गहरा मानसिक आघात भी पहुंचाता है, जिससे कई बुजुर्ग अवसाद और असुरक्षा के शिकार हो जाते हैं। कई मामलों में ठगी के बाद वे खुद को दोषी मानने लगते हैं, परिवार के सामने अपनी बात रखने से हिचकिचाते हैं।

मर्यादा के मंदिर में पारदर्शिता की घंटी कब बजेगी?

सोनम लववंशी

'राम' भारतीय मानस में केवल एक नाम नहीं, बल्कि मर्यादा का पर्याय हैं। इसलिए जब उनके नाम से जुड़ी किसी संस्था, ट्रस्ट या व्यवस्था पर वित्तीय अनियमितताओं, कथित गबन या अपारदर्शिता के आरोपों की चर्चा होती है, तब चोट केवल कानून को नहीं लगती है। यह घाव समाज की आत्मा पर पड़ता है। ईंट-पत्थर से बने मंदिरों की मरम्मत संभव है, लेकिन टूटे हुए विश्वास का पुनर्निर्माण सबसे कठिन कार्य है। इतना ही नहीं विडंबना यह है कि इस देश में धर्म की रक्षा के नाम पर अक्सर धर्म के मूल तत्व सत्य, ईमानदारी और उत्तरदायित्व को ही सबसे पहले किनारे रख दिया जाता है। प्रश्न पूछने वाले को संदेह की निगाह से देखा जाता है, जबकि हिसाब देने वाले से कोई प्रश्न नहीं किया जाता। मानो श्रद्धा का अर्थ विवेक का परित्याग हो। यह वही समाज है जो दान-पात्र में नोट डालते समय आँखें बंद कर लेता है और बाद में खुलासों पर आँखें मलता रह जाता है। कबीर ने लिखा था कि, 'राम नाम की लूट है, लूट सके तो लूट।' उनका आशय भक्ति की उस अमूल्य संपदा से था जिसे हर कोई बिना मूल्य प्राप्त कर सकता है। लेकिन समय ने इस पंक्ति का ऐसा विडंबनापूर्ण रूप गढ़ दिया है कि अब कई बार यह प्रश्न उठने लगता है। क्या कहीं 'राम' साधना का नहीं, साधन का नाम बनते जा रहे हैं? क्या आस्था की छाया में जवाबदेही का सूर्य अस्त हो जाता है? ऐसे में यदि राम मंदिर या उससे जुड़े किसी ट्रस्ट के संदर्भ में वित्तीय गड़बड़ियों या कथित गबन की बातें सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बनती हैं, तो सबसे पहली अपेक्षा निष्पक्ष जांच और पूर्ण पारदर्शिता की होनी चाहिए। जो संस्था स्वयं को नैतिक आदर्शों का प्रतिनिधि मानती है, उसे सामान्य संस्थाओं से कहीं अधिक कठोर सार्वजनिक परीक्षण स्वीकार करना चाहिए। यदि सब कुछ सही है तो जांच से प्रतिष्ठा बढ़ेगी; यदि नहीं, तो सुधार का मार्ग खुलेगा। दोनों ही स्थितियों में सत्य का लाभ होगा। सबसे बड़ा व्यंग्य यह है कि भगवान राम ने राजपाट त्यागकर मर्यादा बचाई थी, लेकिन आज कहीं-कहीं मर्यादा को त्यागकर प्रतिष्ठान बचाने की बेचैनी दिखाई देती है। राम ने न्याय के लिए अपने निजी सुखों का बलिदान दिया था, जबकि आधुनिक समय में कुछ लोग न्याय से बचने के लिए राम के नाम का सहारा खोजते दिखाई देते हैं। यह विरोधाभास केवल हास्यास्पद नहीं, गहरी नैतिक विफलता का संकेत है। समाज का एक हिस्सा हर आरोप को बिना जांच अंतिम सत्य मान लेता है और दूसरा हर आरोप को बिना जांच षड्यंत्र कहकर खारिज कर देता है। दोनों प्रवृत्तियाँ लोकतांत्रिक चेतना को कमजोर करती हैं। न अंधविश्वास स्वस्थ है, न अंध-अविश्वास। आवश्यकता तथ्यों, स्वतंत्र जांच और सार्वजनिक जवाबदेही की है। कानून और नैतिकता दोनों का सम्मान तभी संभव है जब भावनाएँ प्रमाणों का स्थान न ले लें। आज हमारी सबसे बड़ी समस्या भ्रष्टाचार से भी अधिक चयनात्मक नैतिकता है। यदि आरोप किसी विरोधी पर हों तो हम न्याय की माँग करते हैं, और यदि वही प्रश्न अपने प्रिय पक्ष पर उठे तो उसे आस्था पर हमला घोषित कर देते हैं। सिद्धांतों का मूल्य तभी है जब वे व्यक्ति, दल, विचारधारा और संस्था से ऊपर खड़े रह सकें। अन्यथा नैतिकता केवल भाषणों की सजावट बनकर रह जाती है। राम का नाम किसी आर्थिक लेन-देन की ढाल नहीं बन सकता। वह तो स्वयं सत्य की कसौटी है। यदि किसी ट्रस्ट ने श्रद्धालुओं के विश्वास और दान का दुरुपयोग किया हो, तो वह केवल वित्तीय अपराध नहीं बल्कि नैतिक विश्वासघात भी होगा। और यदि आरोप असत्य हों, तो उन्हें तथ्यों और पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से खारिज किया जाना चाहिए, न कि भावनात्मक नारों के सहारे। यह भी विचारणीय है कि मंदिर की भव्यता केवल शिखर की ऊँचाई से नहीं मापी जाती। उसकी वास्तविक ऊँचाई उसके लेखे-जोखे की ईमानदारी, प्रशासन की पारदर्शिता और प्रबंधन की जवाबदेही से तय होती है। संगमरमर की चमक उस समय फीकी पड़ जाती है जब हिसाब की किताब धुंधली दिखाई देने लगे। राम भारतीय संस्कृति में इसलिए पूजनीय नहीं हैं कि वे शक्तिशाली थे, बल्कि इसलिए कि उन्होंने शक्ति पर मर्यादा को वरीयता दी। यदि आज उनके नाम पर बनी किसी भी व्यवस्था में मर्यादा की जगह अपारदर्शिता, सत्य की जगह प्रचार और जवाबदेही की जगह मौन ले ले, तो सबसे बड़ा अपमान राम का नहीं होगा।

क्या हम विकास और विनाश के बीच संतुलन साध पाएंगे?

ललित गर्ग

वेनेजुएला में हाल में आए भीषण भूकम्प ने केवल एक देश को नहीं, बल्कि पूरी मानवता को झकझोर दिया है। मृतकों और लापता लोगों की संख्या समय के साथ बदलती रही हो, लेकिन त्रासदी की भयावहता निर्विवाद है। हजारों परिवार अपने प्रियजनों को खोने की असहनीय पीड़ा से गुजर रहे हैं। ऐसे प्रत्येक अवसर पर पूरी दुनिया संवेदना व्यक्त करती है, राहत सामग्री भेजती है, सहायता अभियान चलाती है, लेकिन एक प्रश्न बार-बार हमारे सामने खड़ा हो जाता है-क्या हम हर बड़ी आपदा से कोई स्थायी सबक सीखते हैं या फिर कुछ दिनों की चर्चा और शोक के बाद सब कुछ भुलाकर पुनः उसी लापरवाह विकास-यात्रा एवं प्रकृति की घोर उपेक्षा पर निकल पड़ते हैं? प्राकृतिक आपदाएं कभी कैलेंडर देखकर नहीं आतीं। वे न देश चुनती हैं, न मौसम और न समय। जब धरती कांपती है, नदियां उफान पर आती हैं, पहाड़ दरकते हैं या समुद्र विकराल रूप धारण कर लेता है, तब विकास के बड़े-बड़े दावे, ऊंची-ऊंची इमारतें और तकनीकी उपलब्धियों का अहंकार कुछ ही क्षणों में धराशायी हो जाता है। ऐसे समय में किसी देश की वास्तविक शक्ति उसकी आर्थिक समृद्धि नहीं, बल्कि उसकी पूर्व तैयारी, संवेदनशील शासन व्यवस्था और जागरूक नागरिक होते हैं।

वेनेजुएला की त्रासदी ने एक सकारात्मक पक्ष भी सामने रखा। आधुनिक तकनीक ने कुछ क्षेत्रों में लोगों को भूकम्प के झटके महसूस होने से कुछ सेकंड पहले चेतावनी दी। सुनने में यह समय बहुत कम प्रतीत होता है, लेकिन आपदा की घड़ी में यही कुछ सेकंड जीवन और मृत्यु के बीच की दूरी तय कर सकते हैं। विज्ञान इस दिशा में निरंतर प्रगति कर रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि ऐसे प्रारंभिक चेतावनी तंत्र अधिक सटीक, अधिक तेज और अधिक व्यापक बनाए जाएं, ताकि अधिक से अधिक लोगों का जीवन सुरक्षित रह सके। भारत के लिए यह विषय केवल एक अंतरराष्ट्रीय समाचार नहीं है। हमारा देश स्वयं भूकम्प, बाढ़, भूस्खलन, बादल फटने, चक्रवात और सुनामी जैसी अनेक प्राकृतिक आपदाओं का दंश झेलता रहा है। 1993 का लातूर भूकम्प, 2001 का भुज भूकम्प, 2004 की सुनामी, 2013 की केदारनाथ त्रासदी, 2023 की जोशीमठ भू-धंसाव की घटनाएं तथा हिमालयी क्षेत्रों में लगातार बढ़ती बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं आज भी हमारी स्मृतियों में जीवित हैं। इन सभी घटनाओं का एक ही संदेश है-प्रकृति को कभी हल्के में नहीं लिया जा सकता।

वैज्ञानिक आज भी यह निश्चित रूप से नहीं बता सकते कि किस दिन, किस समय और किस स्थान पर भूकम्प आएगा, लेकिन वे वर्षों से यह चेतावनी अवश्य देते रहे हैं कि भारत का लगभग साठ प्रतिशत भूभाग किसी न किसी स्तर के भूकम्पीय जोखिम वाले क्षेत्र में आता है। हिमालयी क्षेत्र, दिल्ली-एनसीआर, उत्तर-पूर्व, गुजरात और अनेक अन्य क्षेत्र विशेष रूप से संवेदनशील माने जाते हैं। इसका अर्थ स्पष्ट है कि यदि भूकम्प की सटीक भविष्यवाणी संभव नहीं है, तो भी पूर्व तैयारी पूरी तरह संभव है। दुर्भाग्य यह है कि हम तैयारी की अपेक्षा आपदा के बाद राहत और पुनर्वास पर अधिक ध्यान देते हैं। आज देश के लगभग हर शहर में कंक्रीट के विशाल जंगल तेजी से खड़े हो रहे हैं। बहुमंजिला आवासीय परिसर, व्यावसायिक भवन, गगनचुंबी टावर और स्मार्ट सिटी विकास की नई पहचान बन चुके हैं। मुंबई, गुरुग्राम, नोएडा, दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद और अब जयपुर जैसे शहर भी ऊंची-ऊंची इमारतों की दौड़ में शामिल हो चुके हैं। लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या इन भवनों की मजबूती केवल सामान्य परिस्थितियों के लिए है या किसी बड़ी प्राकृतिक आपदा का सामना करने के लिए भी?

किसी भी भवन की वास्तविक परीक्षा तब होती है जब धरती कांपती है, जब अचानक बाढ़ आती है, जब तेज हवाएं चलती हैं या जब प्रकृति अपना रौद्र रूप दिखाती है। यदि उस समय भवन लोगों की जान बचा सके, तभी उसे वास्तविक विकास का प्रतीक माना जाना चाहिए। केवल ऊंचाई, चमक-दमक और आधुनिक सुविधाएं किसी भवन को सुरक्षित नहीं बनातीं। भारत में भूकम्परोधी निर्माण के लिए मानक और नियम मौजूद हैं। भारतीय मानक ब्यूरो ने स्पष्ट दिशानिर्देश निर्धारित किए हैं। समस्या नियमों की कमी नहीं, बल्कि उनके अनुपालन की है। क्या प्रत्येक बहुमंजिला इमारत वास्तव में उन्हीं मानकों के अनुरूप निर्मित हो रही है? क्या निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की निष्पक्ष जांच होती है? क्या निर्माण के बाद संरचनात्मक सुरक्षा का स्वतंत्र परीक्षण किया जाता है? यदि इन प्रश्नों का उत्तर पूरी तरह संतोषजनक नहीं है, तो चिंता स्वाभाविक है।

निर्माण क्षेत्र में बढ़ती अनियमितताओं और भ्रष्टाचार ने स्थिति को और गंभीर बनाया है। अनेक बार भू-माफिया, बिल्डर लॉबी और लाभ-लोलुप तत्व पर्यावरणीय नियमों की अवहेलना करते हुए हरित क्षेत्रों, जलाशयों, नदी तटों और भू-संवेदनशील क्षेत्रों तक में निर्माण कर देते हैं। बाद में यही निर्माण किसी त्रासदी का कारण बनते हैं। नोएडा में अवैध रूप से निर्मित सुपरटेक ट्विन टावरों को सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर ध्वस्त किया जाना इस बात का प्रतीक है कि किस प्रकार नियमों की अनदेखी कर निर्माण कार्य किए जाते रहे हैं। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि यदि कोई निर्माण अवैध था, तो उसे बनने की अनुमति किसने दी? निर्माण पूरा होने तक प्रशासन मौन क्यों रहा? क्या विकास के नाम पर कुछ लोगों के आर्थिक लाभ के लिए लाखों नागरिकों के जीवन को जोखिम में डाला जा सकता है? यह केवल कानूनी प्रश्न नहीं, बल्कि नैतिक प्रश्न भी है। शहरी विकास प्राधिकरणों, नगर निगमों, नगर विकास न्यासों तथा भवन निर्माण की अनुमति देने वाली एजेंसियों की जिम्मेदारी केवल नक्शों पर हस्ताक्षर करने तक सीमित नहीं हो सकती। प्रत्येक निर्माण की तकनीकी, पर्यावरणीय और संरचनात्मक जांच अत्यंत कठोरता से की जानी चाहिए। सुरक्षा मानकों का पालन केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन की रक्षा का दायित्व है।

एक अन्य गंभीर चिंता जलवायु परिवर्तन और प्रकृति के साथ बढ़ती छेड़छाड़ की है। पहाड़ों को काटकर सड़कें बनाना, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को बाधित करना, जंगलों का अंधाधुंध विनाश, अतिक्रमण, खनन और अनियोजित शहरीकरण ने प्रकृति के संतुलन को गहराई से प्रभावित किया है। परिणामस्वरूप भूस्खलन, अचानक बाढ़, शहरी जलभराव और जंगलों में आग की घटनाएं बढ़ रही हैं। हिमालयी क्षेत्रों में बार-बार आने वाली त्रासदियां हमें चेतावनी दे रही हैं कि विकास का मॉडल प्रकृति-विरोधी नहीं, बल्कि प्रकृति-संगत होना चाहिए। यह मान लेना भी खतरनाक है कि जिस क्षेत्र में पहले कभी बड़ा भूकम्प नहीं आया, वहां भविष्य में भी खतरा नहीं होगा। धरती के भीतर क्या हलचल चल रही है, इसका पूरा रहस्य आज भी मानव नहीं जान पाया है। इसलिए केवल पुराने अनुभवों के आधार पर किसी क्षेत्र को पूर्णतः सुरक्षित मान लेना आत्मघाती हो सकता है। आज भवन निर्माण केवल भूकम्प को ध्यान में रखकर नहीं किया जा सकता। अत्यधिक वर्षा, शहरी बाढ़, तेज हवाएं, तापमान में वृद्धि और अन्य प्राकृतिक चुनौतियों को भी नगर नियोजन का हिस्सा बनाना होगा। भविष्य के शहरों को बहुस्तरीय सुरक्षा की अवधारणा के आधार पर विकसित करना समय की मांग है। आपदा आने के बाद राहत और पुनर्वास पर हजारों करोड़ रुपये खर्च करने की अपेक्षा पहले से सुरक्षा पर निवेश करना कहीं अधिक बुद्धिमत्तापूर्ण और मानवीय दृष्टिकोण है। सिर्फ सरकारों की जिम्मेदारी पर्याप्त नहीं है। नागरिकों को भी आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूक होना होगा। विद्यालयों, कार्यालयों और आवासीय परिसरों में नियमित मॉक ड्रिल आयोजित की जानी चाहिए। आधुनिक चेतावनी प्रणालियों को गांवों तक पहुंचाया जाना चाहिए।

प्राकृतिक आपदाओं को रोका नहीं जा सकता, लेकिन उनसे होने वाली तबाही को काफी हद तक कम अवश्य किया जा सकता है। इसके लिए वैज्ञानिक अनुसंधान, आधुनिक तकनीक, मजबूत निर्माण मानक, कठोर निगरानी, पारदर्शी प्रशासन और जागरूक नागरिकों का समन्वित प्रयास आवश्यक है। प्रकृति कभी यह नहीं पूछती कि इमारत कितनी महंगी है, किस बिल्डर ने बनाई है या वह किस शहर में खड़ी है। वह केवल उसकी मजबूती और मानव की दूरदर्शिता की परीक्षा लेती है। वेनेजुएला का भूकम्प एक चेतावनी है-विकास की परिभाषा बदलने की। विकसित राष्ट्र वह नहीं होगा जिसके पास सबसे ऊंची इमारतें हों, बल्कि वह होगा जिसके पास सबसे सुरक्षित इमारतें, सबसे जिम्मेदार नगर नियोजन, सबसे संवेदनशील शासन और सबसे सजग नागरिक हों। क्योंकि आपदा आने के बाद राहत देना व्यवस्था की मजबूरी होती है, लेकिन आपदा आने से पहले तैयारी करना एक दूरदर्शी राष्ट्र की संस्कृति और जिम्मेदार शासन की पहचान है।

डॉक्टर्स डे : सेवा से व्यवसाय तक चिकित्सा का बदलता चेहरा

हर वर्ष 1 जुलाई को भारत में डॉक्टर्स डे मनाया जाता है। यह दिवस महान चिकित्सक, शिक्षाविद् और पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. बिधान चंद्र राय की स्मृति में मनाया जाता है। उन्होंने चिकित्सा को केवल एक पेशा नहीं, बल्कि मानव सेवा का सर्वोच्च माध्यम माना। किंतु आज जब चिकित्सा क्षेत्र तीव्र गति से व्यावसायीकरण की ओर बढ़ रहा है, तब यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या चिकित्सा अभी भी सेवा है या वह लाभ कमाने का उद्योग बनती जा रही है?

डॉक्टर्स डे केवल चिकित्सकों का सम्मान करने का अवसर नहीं है, बल्कि चिकित्सा व्यवस्था के आत्ममंथन का भी दिन है। यह दिन हमें उन चिकित्सकों को याद करने की प्रेरणा देता है जिन्होंने मानवता को सर्वोपरि रखा और उन चुनौतियों पर विचार करने का अवसर भी देता है जिनके कारण चिकित्सा का मानवीय चेहरा धुंधला पड़ता जा रहा है।

कुमार कृष्णन

भारतीय संस्कृति में वैद्य को भगवान के समान माना गया है। प्राचीन आयुर्वेदाचार्यों ने चिकित्सा का उद्देश्य रोगी को स्वस्थ करना और उसके जीवन की रक्षा करना बताया। चरक और सुश्रुत जैसे महर्षियों ने चिकित्सक के लिए करुणा, संयम, नैतिकता और सेवा को अनिवार्य गुण माना। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने तकनीकी प्रगति अवश्य की है, परंतु उसके साथ चिकित्सा का स्वरूप भी तेजी से बदला है।

आज बड़े-बड़े कॉरपोरेट अस्पताल अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस हैं। आधुनिक मशीनें, रोबोटिक सर्जरी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निदान और उन्नत उपचार ने चिकित्सा को नई ऊँचाइयों तक पहुंचाया है। लेकिन इसी के साथ उपचार की लागत भी लगातार बढ़ी है। अनेक परिवार गंभीर बीमारी के कारण आर्थिक संकट में फंस जाते हैं। कई बार यह आरोप भी लगता है कि अनावश्यक जांच, महंगी दवाइयां और गैर-जरूरी प्रक्रियाएं केवल आर्थिक लाभ के लिए कराई जाती हैं। चिकित्सा के इस व्यावसायिक स्वरूप ने डॉक्टर और मरीज के बीच विश्वास के रिश्ते को प्रभावित किया है। पहले चिकित्सक परिवार का अभिन्न हिस्सा माने जाते थे। आज अनेक स्थानों पर मरीज डॉक्टर को संदेह की दृष्टि से देखने लगा है। यह स्थिति चिकित्सा व्यवस्था और समाज, दोनों के लिए

चिंता का विषय है। हालांकि पूरी चिकित्सा व्यवस्था को एक ही दृष्टि से देखना न्यायसंगत नहीं होगा। हजारों ऐसे चिकित्सक हैं जो आज भी सीमित संसाधनों में ग्रामीण क्षेत्रों, आदिवासी इलाकों और दूर-दराज़ के गांवों में निस्वार्थ भाव से सेवा कर रहे हैं। वे कठिन परिस्थितियों में भी मरीजों की जान बचाने के लिए दिन-रात समर्पित रहते हैं। महामारी, प्राकृतिक आपदा या दुर्घटना जैसी परिस्थितियों में इन्हीं चिकित्सकों ने अपने परिवार से अधिक समाज को प्राथमिकता दी है।

हाल के वर्षों में वैश्विक महामारी ने दुनिया को यह सिखाया कि डॉक्टर केवल पेशेवर नहीं, बल्कि संकट के समय मानवता के सबसे बड़े रक्षक होते हैं। जब पूरा समाज घरों में सुरक्षित था, तब डॉक्टर, नर्स और स्वास्थ्यकर्मी अस्पतालों में जीवन बचाने के लिए निरंतर कार्य कर रहे थे। अनेक चिकित्सकों ने स्वयं संक्रमित होकर अपने प्राण तक गंवा दिए। यह त्याग चिकित्सा के वास्तविक स्वरूप का परिचायक है। चिकित्सा के बढ़ते व्यवसायीकरण के पीछे केवल डॉक्टर ही जिम्मेदार नहीं हैं। महंगी चिकित्सा शिक्षा, निजी अस्पतालों की आर्थिक संरचना, दवा उद्योग का दबाव, चिकित्सा उपकरणों की ऊंची कीमत, बीमा प्रणाली की जटिलताएं तथा बढ़ती कानूनी चुनौतियां भी इस स्थिति के महत्वपूर्ण कारण हैं। निजी मेडिकल शिक्षा पर करोड़ों रुपये खर्च करने वाले अनेक युवा चिकित्सकों पर आर्थिक दबाव रहता है। ऐसे में चिकित्सा सेवा और आर्थिक अपेक्षाओं के बीच संतुलन बनाना कठिन हो जाता है। दूसरी ओर मरीजों की अपेक्षाएं भी पहले की तुलना में काफी बढ़ गई हैं। हर स्थिति में शत-प्रतिशत सफलता की उम्मीद की जाती है, जबकि चिकित्सा विज्ञान संभावनाओं पर आधारित है, पूर्ण निश्चितता पर नहीं। उपचार असफल होने पर कई बार चिकित्सकों पर हिंसा तक हो जाती है। ऐसी घटनाएं चिकित्सा सेवा के वातावरण को प्रभावित करती हैं और डॉक्टरों के मनोबल को भी कमजोर करती हैं। समाधान केवल चिकित्सकों की आलोचना में नहीं, बल्कि पूरी स्वास्थ्य व्यवस्था को अधिक मानवीय और पारदर्शी बनाने में है। सरकार को सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत करना होगा। ग्रामीण क्षेत्रों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित करनी होगी। चिकित्सा शिक्षा को अधिक सुलभ और किफायती बनाना भी आवश्यक है। साथ ही चिकित्सा संस्थानों में नैतिक मूल्यों और संवाद कौशल को विशेष महत्व दिया जाना चाहिए। डॉक्टरों को भी यह स्मरण रखना होगा कि चिकित्सा का मूल उद्देश्य केवल रोग का उपचार नहीं, बल्कि रोगी के मन में विश्वास और आशा का संचार करना है। एक मधुर व्यवहार, सहानुभूतिपूर्ण संवाद और ईमानदार परामर्श कई बार महंगी दवा से अधिक प्रभावी सिद्ध होता है। समाज की भी जिम्मेदारी है कि वह सेवाभावी चिकित्सकों का सम्मान करे। प्रत्येक डॉक्टर को केवल कुछ नकारात्मक घटनाओं के आधार पर नहीं परखा जाना चाहिए। आज भी अनेक चिकित्सक निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाते हैं, गरीब मरीजों का मुफ्त इलाज करते हैं और मानवता की सेवा को अपना धर्म मानते हैं। ऐसे चिकित्सकों के कारण ही चिकित्सा पेशे की गरिमा बनी हुई है।

डॉक्टर्स डे का वास्तविक संदेश यही है कि चिकित्सा विज्ञान और मानवीय संवेदनाएं साथ-साथ चलें। तकनीक आवश्यक है, लेकिन करुणा उससे भी अधिक आवश्यक है। अस्पताल आधुनिक हों, पर उनमें मानवता का स्पर्श बना रहे। डॉक्टर कुशल हों, लेकिन साथ ही संवेदनशील भी हों। भारत जैसे विशाल देश में स्वस्थ समाज का निर्माण केवल आधुनिक अस्पतालों से नहीं होगा, बल्कि ऐसे सेवाभावी चिकित्सकों से होगा जो मरीज में केवल एक केस नहीं, बल्कि एक इंसान देखें। चिकित्सा यदि सेवा की भावना से जुड़ी रहेगी तो डॉक्टर का स्थान समाज में सदैव ईश्वर के बाद ही रहेगा। डॉक्टर्स डे हमें यही याद दिलाता है कि चिकित्सा का सर्वोच्च आदर्श धन अर्जित करना नहीं, बल्कि जीवन बचाना है। सेवा, करुणा, ईमानदारी और मानवीय संवेदना–यही वे मूल्य हैं जो चिकित्सा को व्यवसाय नहीं, बल्कि मानवता की सबसे पवित्र साधना बनाते हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि चिकित्सा जगत और समाज मिलकर विश्वास, नैतिकता और सेवा की उस परंपरा को पुनर्जीवित करें, जिसने सदियों से चिकित्सक को धरती का भगवान कहलाने का सम्मान दिलाया है।

कलेक्टर ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश, रोजगार, शिक्षा, आदिवासी कल्याण और विकास योजनाओं में तेजी लाने पर जोर

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर ने जिला स्तरीय समय-सीमा (टीएल) बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं और विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में रोजगार सृजन, शिक्षा, आदिवासी कल्याण, श्रमिक हित, सांख्यिकी, प्रशासनिक अनुशासन तथा अवैध गतिविधियों पर प्रभावी कार्रवाई जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई बैठक के दौरान कलेक्टर ने अंतरव्यवसाय विभाग को निर्देशित किया कि जिले के तीनों विकासखंडों में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के माध्यम से रोजगारपरक प्रशिक्षण कार्यक्रमों को गति दी जाए उन्होंने सिलाई, पोल्ट्री फार्म, बकरी पालन, मैकेनिक सहित अन्य स्वरोजगार आधारित ट्रेडों के डेमो कार्यक्रम आयोजित कर अधिक से अधिक युवाओं को प्रशिक्षण से जोड़ने तथा नए बैचों के लिए शीघ्र पंजीयन प्रारंभ करने के निर्देश दिए कलेक्टर ने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम केवल औपचारिकता न बनें बल्कि युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ने का प्रभावी माध्यम बनें आदिवासी विकास विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने जिले के सभी आश्रमों और छात्रावासों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण आवास, भोजन, शिक्षा एवं अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी उन्होंने पोड़ीडीह में संचालित होने वाले एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के लिए जिला स्तरीय काउंसलिंग शीघ्र आयोजित करने के निर्देश भी दिए ताकि पात्र विद्यार्थियों का समय पर चयन सुनिश्चित किया जा सके। स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति, पाठ्यपुस्तकों के वितरण, शैक्षणिक गतिविधियों की स्कैनिंग, मध्यान्ह भोजन योजना तथा यूनिफॉर्म वितरण की प्रगति की जानकारी उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विद्यालयों में किसी भी विद्यार्थी को पुस्तक, गणवेश या मध्यान्ह भोजन जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित नहीं रखा जाए स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ शासन की सभी योजनाओं का समय पर लाभ विद्यार्थियों तक पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए श्रम विभाग को निर्देशित करते हुए कलेक्टर ने कहा कि श्रम कार्ड, निर्माण श्रमिक पंजीयन तथा श्रमिक कल्याण योजनाओं की अद्यतन जानकारी तैयार रखी जाए साथ ही जिले में संगठित एवं असंगठित श्रमिकों का विस्तृत और अद्यतन डाटा उपलब्ध कराया जाए ताकि शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जा सके जिला सांख्यिकी विभाग को सभी विभागों से समय पर जानकारी संकलित कर शासन को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए कलेक्टर ने कहा कि विकास योजनाओं की सही मॉनिटरिंग और नीति निर्धारण के लिए सटीक एवं समयबद्ध आंकड़े अत्यंत आवश्यक हैं किसी भी प्रकार की देरी या त्रुटि प्रशासनिक कार्यों को प्रभावित करती है।

बैठक में प्रशासनिक अनुशासन पर विशेष जोर देते हुए कलेक्टर ने सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों की ऑनलाइन उपस्थिति अनिवार्य रूप से दर्ज करने के निर्देश उन्होंने स्पष्ट कहा कि बिना सक्षम स्वीकृति के कोई भी अधिकारी या कर्मचारी मुख्यालय नहीं छोड़ेगा शासन के निर्देशों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी कलेक्टर ने जिले में अवैध भंडारण, जमाखोरी एवं अन्य अवैध गतिविधियों के विरुद्ध सख्त अभियान चलाने के निर्देश भी दिए उन्होंने संबंधित विभागों से कहा कि नियमित निरीक्षण कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए ताकि आम जनता को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। विधानसभा से प्राप्त प्रश्नों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देश दिए कि प्रश्नों के उत्तर निर्धारित समय-सीमा में तथ्यात्मक, सटीक एवं पूर्ण जानकारी के साथ प्रस्तुत किए जाएं उन्होंने कहा कि विधानसभा संबंधी मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक के अंत में कलेक्टर ने सभी विभागों को अपनी-अपनी वार्षिक कार्ययोजना तैयार कर विकास कार्यों को गति देने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि प्रत्येक विभाग अपने लक्ष्यों का निर्धारण कर समयबद्ध तरीके से उनका क्रियान्वयन सुनिश्चित करे। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

रिटायरमेंट से एक दिन पहले लीड कॉलेज की प्राचार्य समेत चार पर एफआईआर, खेल सामग्री भुगतान में वित्तीय अनियमितता का आरोप

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। जिले के शासकीय होम साइंस कॉलेज (लीड कॉलेज) की प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन के सेवानिवृत्त होने से ठीक एक दिन पहले उनके खिलाफ वित्तीय अनियमितता के मामले में एफआईआर दर्ज होने से शिक्षा जगत में हलचल मच गई पुलिस ने प्राचार्य डॉ. जैन भंडार शाखा प्रभारी, लेखा शाखा प्रभारी तथा भोपाल स्थित मेसर्स वैष्णवी इंटरप्राइजेस के विरुद्ध सरकारी राशि के कथित गबन और हेराफेरी का मामला दर्ज किया है। मामला खेल सामग्री की खरीदी और भुगतान से जुड़ा है आरोप है कि कॉलेज में खेल सामग्री की आपूर्ति होने से पहले ही संबंधित फर्म को 9 लाख 28 हजार 568 रुपए का भुगतान कर दिया गया यह मामला सामने आने के बाद क्षेत्रीय विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा ने जांच की मांग की थी। कलेक्टर के निर्देश पर तहसीलदार सरिता मालवीय द्वारा की गई जांच में प्रथम दृष्टया वित्तीय अनियमितताएं पाए जाने के बाद कोतवाली पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया।

जांच के दौरान प्राचार्य द्वारा प्रस्तुत स्टॉक पंजी में 24 जून 2026 की तारीख में मेसर्स वैष्णवी इंटरप्राइजेस के बिल के आधार पर 6 लाख 48 हजार 860 रुपए की खेल सामग्री की प्रविष्टि दर्ज मिली। वहीं आईएफएमएस पोर्टल और एमपी ट्रेजरी के रिकॉर्ड से पता चला कि होम साइंस कॉलेज और शासकीय महाविद्यालय डोलरिया के लिए कुल 9.28 लाख रुपए का भुगतान पहले ही जारी किया जा चुका था डोलरिया कॉलेज के लिए भी लगभग 2 लाख रुपए की सामग्री का भुगतान दर्ज मिला। जांच अधिकारियों ने स्टॉक पंजी और संबंधित अभिलेख जब्त कर लिए हैं भौतिक सत्यापन के दौरान खेल सामग्री कॉलेज में उपलब्ध पाई गई लेकिन जांच का मुख्य बिंदु सामग्री की वास्तविक आपूर्ति से पहले भुगतान और स्टॉक रजिस्टर में प्रविष्टि किए जाने को माना गया है इस पूरे मामले की शुरुआत 25 जून को हुई जब विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा कॉलेज पहुंचे निरीक्षण के दौरान प्राचार्य ने उन्हें बताया कि खेल सामग्री अभी तक नहीं पहुंची है दस्तावेजों की जांच में विधायक को सामग्री आने से पहले ही स्टॉक रजिस्टर में प्रविष्टि और भुगतान की प्रक्रिया पूरी होने की जानकारी मिली जिसके बाद उन्होंने कलेक्टर से विस्तृत जांच कराने की मांग की। कोतवाली थाना प्रभारी गौरव बुंदेला ने बताया कि जांच रिपोर्ट के आधार पर नामजद आरोपियों के खिलाफ शासकीय राशि के दुरुपयोग और हेराफेरी से संबंधित प्रकरण दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है उल्लेखनीय है कि डॉ. कामिनी जैन मंगलवार को सेवानिवृत्त हो रही हैं पूरे सेवाकाल में उनकी छवि बेदाग मानी जाती रही है। हालांकि एफआईआर दर्ज होने के बाद अब उनके पेंशन, ग्रेच्युटी तथा अन्य सेवानिवृत्ति लाभों की प्रक्रिया पर भी प्रभाव पड़ सकता है दूसरी ओर डॉ. जैन पहले यह स्पष्ट कर चुकी हैं कि अवकाश और प्रशासनिक प्रक्रिया को देखते हुए भुगतान संबंधी कार्यवाही पहले की गई थी ताकि शासकीय कार्य प्रभावित न हों मामले की विस्तृत जांच जारी है।

शिवपुरी में पानी का टैंकर मकान पर पलटा, दीवार गिरने से 80 वर्षीय महिला घायल

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शहर के फिजिकल थाना क्षेत्र स्थित सईसपुरा में मंगलवार को एक बड़ा हादसा उस समय हो गया जब पानी से भरा एक ट्रैक्टर-टैंकर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने मकान पर पलट गया हादसे में मकान की दीवार ढह गई जिसकी चपेट में आने से 80 वर्षीय अकबरी बाई घायल हो गईं उन्हें स्थानीय लोगों की मदद से तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उनका उपचार जारी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ट्रैक्टर चालक पानी से भरा टैंकर लेकर सईसपुरा क्षेत्र से गुजर रहा था इसी दौरान सड़क पर पड़ी रेत और ईंटों पर टैंकर का पहिया चढ़ गया जिससे चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका संतुलन बिगड़ने के कारण ट्रैक्टर-टैंकर सड़क किनारे बने एक मकान पर पलट गया। टैंकर की टक्कर से मकान की एक दीवार भरभराकर गिर गई उस समय घर के अंदर मौजूद अकबरी बाई दीवार के मलबे की चपेट में आ गईं और घायल हो गईं हादसे के समय परिवार के अन्य सदस्य भी घर में मौजूद थे लेकिन वे सुरक्षित बच गए इससे एक बड़ा हादसा टल गया घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया स्थानीय नागरिकों ने मलबा हटाकर घायल महिला को बाहर निकाला और तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया।

जल जीवन मिशन से बदली लीलावती की जिंदगी, घर-घर नल से जल ने आसान बनाया ग्रामीण जीवन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा संचालित जल जीवन मिशन ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहा है। जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के विकासखंड भरतपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत घाघरा के ग्राम लावाहोरी की निवासी लीलावती की कहानी इस बदलाव की प्रेरणादायक मिसाल बनकर सामने आई है। घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचने से न केवल उनकी दिनचर्या आसान हुई है बल्कि परिवार के स्वास्थ्य और जीवन स्तर में भी उल्लेखनीय सुधार आया है। लीलावती बताती हैं कि जल जीवन मिशन से पहले उन्हें प्रतिदिन पीने और घरेलू उपयोग के लिए पानी लाने के लिए काफी दूर स्थित कुओं और हैंडपंपों तक जाना पड़ता था पानी लाने में उनका कई घंटे का समय और भारी शारीरिक श्रम लगता था इसके कारण घर के अन्य कार्यों के साथ परिवार की देखभाल भी प्रभावित होती थी गर्मी और बारिश के मौसम में यह परेशानी और अधिक बढ़ जाती थी। 'हर घर नल से जल' अभियान के तहत उनके घर में नल कनेक्शन मिलने के बाद परिस्थितियां पूरी तरह बदल गईं अब उन्हें घर बैठे स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल

उपलब्ध हो रहा है इससे पानी लाने की परेशानी समाप्त हो गई है और समय व श्रम दोनों की बचत हो रही है बचा हुआ समय अब वह परिवार की देखभाल और अन्य आवश्यक कार्यों में लगा पा रही हैं। लीलावती के अनुसार, स्वच्छ पेयजल की नियमित उपलब्धता से परिवार के स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ा है पहले दूषित पानी के कारण होने वाली बीमारियों की चिंता बनी रहती थी लेकिन अब जलजनित रोगों का खतरा काफी कम हो गया है इससे परिवार का स्वास्थ्य बेहतर हुआ है और जीवन अधिक सुरक्षित एवं सुविधाजनक बन गया है। उन्होंने इस जनकल्याणकारी योजना के लिए प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि 'यह योजना केवल पानी की सुविधा नहीं, बल्कि हमारे गांव और आने वाली पीढ़ियों के बेहतर भविष्य की मजबूत नींव है।

स्वच्छ भारत मिशन के तहत प्लास्टिक मैनेजमेंट यूनिट बनी मिसाल, गांवों में प्लास्टिक प्रदूषण पर लग रही रोक

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों को स्वच्छ, सुंदर और प्लास्टिक मुक्त बनाने की दिशा में चनवारीडांड स्थित प्लास्टिक मैनेजमेंट यूनिट प्रभावी भूमिका निभा रही है। यूनिट के माध्यम से ग्राम पंचायतों से नियमित रूप से प्लास्टिक अपशिष्ट का संग्रहण कर उसका वैज्ञानिक तरीके से प्रसंस्करण और पुनर्चक्रण किया जा रहा है जिससे प्लास्टिक कचरे का सुरक्षित निस्तारण सुनिश्चित होने के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी मजबूती मिल रही है यूनिट की टीम निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विभिन्न ग्राम पंचायतों में पहुंचकर घरों, बाजारों और सार्वजनिक स्थानों से प्लास्टिक कचरा एकत्रित करती है इसके बाद संग्रहित प्लास्टिक को चनवारीडांड स्थित यूनिट में लाकर अत्याधुनिक श्रेडिंग मशीन के माध्यम से छोटे-छोटे टुकड़ों में परिवर्तित किया जाता है प्रसंस्करण के बाद इस प्लास्टिक का पुनर्चक्रण कर विभिन्न उपयोगी कार्यों में इस्तेमाल किया जाता है जिससे प्लास्टिक अपशिष्ट अब पर्यावरण के लिए खतरा बनने के बजाय एक उपयोगी संसाधन में बदल रहा है यह पहल ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था को मजबूत बनाने के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता भी बढ़ा रही है।

एमसीबी में कृषक उन्नति योजना के तहत जागरूकता अभियान, एग्रीस्टैक पंजीयन और आधुनिक खेती की तकनीकों का दिया गया प्रशिक्षण

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़कर उनकी आय बढ़ाने और खेती को अधिक लाभकारी बनाने के उद्देश्य से जिले में कृषक उन्नति योजना के तहत व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया मनेन्द्रगढ़, खड़गवां और भरतपुर विकासखंडों की विभिन्न ग्राम पंचायतों में आयोजित शिविरों में बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया इस दौरान एग्रीस्टैक पंजीयन, फसल विविधीकरण, प्राकृतिक खेती, नैनो उर्वरकों के उपयोग और शासन की कृषि योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई कृषि विभाग के अधिकारियों और कृषि विशेषज्ञों ने बताया कि बदलती जलवायु, बढ़ती उत्पादन लागत और कृषि क्षेत्र की नई

चुनौतियों को देखते हुए किसानों के लिए आधुनिक एवं वैज्ञानिक खेती अपनाना समय की आवश्यकता है उन्होंने कहा कि पारंपरिक धान आधारित खेती के साथ-साथ दलहन, तिलहन, सब्जियों तथा अन्य नगदी फसलों का उत्पादन बढ़ाकर किसान अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि कर सकते हैं यह अभियान विकासखंड मनेन्द्रगढ़ के नारायणपुर, डंगौरा, बेलबहरा, मोरगा, डिहुली, केल्हारी और महाई, विकासखंड खड़गवां के भुकभुकी, कोडांगी, छोटेकलुआ, ठगगांव और फुनगा, तथा विकासखंड भरतपुर के उदकी, नोढ़िया, चुटकी, केसौड़ा, नेऊर, सेमरिहा, जैती और मनौढ़ ग्राम पंचायतों में स्थित प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों के माध्यम से आयोजित किया गया। शिविरों में किसानों को बताया गया कि फसल विविधीकरण अपनाने से खेती में जोखिम कम होता है और प्राकृतिक आपदाओं या मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों में भी किसानों की आय पर कम प्रभाव पड़ता है दलहन और तिलहन जैसी फसलों का उत्पादन बढ़ाने से मिट्टी की उर्वरता भी बेहतर होती है और बाजार में बेहतर मूल्य मिलने की संभावना रहती है। कृषि विशेषज्ञों ने प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया किसानों को ढेंचा, मूंग जैसी हरी खाद वाली फसलों के उपयोग की जानकारी दी गई बताया गया कि इन फसलों के प्रयोग से मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है, जैविक कार्बन में सुधार होता है और रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम होती है इससे खेती की लागत घटती है और पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलता है। कार्यक्रम में नैनो यूरिया और नैनो डीएपी जैसे आधुनिक उर्वरकों के उपयोग पर भी विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया।

हरित मनेन्द्रगढ़ अभियान को मिला जवानों का साथ, 1000 पौधे लगाने का लिया संकल्प

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। पर्यावरण संरक्षण और जल संवर्धन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 18वीं विशेष भारत रक्षित वाहिनी, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, चैनपुर-मनेन्द्रगढ़ द्वारा दो दिवसीय वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया गया। 29 एवं 30 जून को आयोजित इस अभियान में वाहिनी के जवानों, सामाजिक संगठनों और स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए 'हरित मनेन्द्रगढ़' अभियान के तहत लगभग 1000 पौधों के रोपण का संकल्प लिया कार्यक्रम का आयोजन तेजस्वनी महिला मंडल, मारवाड़ी युवा संघ और ग्रीन वैली फाउंडेशन के सहयोग से किया गया अभियान के दौरान पर्यावरण संरक्षण के साथ जल संरक्षण पर भी विशेष जोर दिया गया। जवानों ने जल संवर्धन के लिए निर्मित स्टॉप डैम और तालाबों के आसपास फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया तथा उनके संरक्षण का संकल्प भी लिया आयोजकों ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य केवल पौधारोपण तक सीमित नहीं है बल्कि क्षेत्र में हरियाली बढ़ने, भूजल स्तर को संरक्षित करने और पर्यावरणीय संतुलन को मजबूत बनाना भी है ।

नर्मदापुरम में रिमझिम बारिश से गर्मी से राहत, 3-4 जुलाई को भारी वर्षा का अलर्ट

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। जिले में मंगलवार दोपहर मौसम ने अचानक करवट ली और रिमझिम बारिश शुरू होने से लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली सुबह से तेज धूप और उमस के कारण लोग परेशान थे लेकिन दोपहर करीब 1:15 बजे बादल छाने के साथ हल्की बारिश शुरू हो गई मौसम विभाग ने आगामी दिनों में जिले में मानसून के और अधिक सक्रिय होने का अनुमान जताया है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार उत्तर-मध्य मध्यप्रदेश से अरब सागर तक बनी ट्रफ लाइन तथा नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से नर्मदापुरम सहित आसपास के क्षेत्रों में बारिश की गतिविधियां तेज होंगी 30 जून को जिले में कहीं-कहीं गरज-चमक के साथ 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है मौसम विभाग का कहना है कि 1 जुलाई से बारिश की रफ्तार बढ़ेगी जबकि 3 और 4 जुलाई को भारी से अति भारी वर्षा के साथ वज्रपात की आशंका है 2 से 9 जुलाई के बीच जिले में व्यापक और अच्छी बारिश होने की संभावना जताई गई है इसके बाद 9 से 16 जुलाई तक भी मानसून सक्रिय रहेगा हालांकि जुलाई के अंतिम सप्ताह में वर्षा सामान्य से कुछ कम रह सकती है। सोमवार को नर्मदापुरम का अधिकतम तापमान 36.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि मंगलवार को न्यूनतम तापमान 26.2 डिग्री रहा वहीं पचमढ़ी में अधिकतम तापमान 32.8 और न्यूनतम 19 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

नर्मदापुरम कांग्रेस ने गठित की 5 सदस्यीय अनुशासन समिति, धर्मेंद्र मालवीय बने अध्यक्ष

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। संगठन में अनुशासन और संगठनात्मक मर्यादा को मजबूत करने के उद्देश्य से जिला कांग्रेस कमेटी नर्मदापुरम ने पांच सदस्यीय जिला अनुशासन समिति का गठन किया है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवाकांत पाण्डेय (गुड्डन) ने समिति की घोषणा करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य पार्टी विरोधी गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण रखना और अनुशासनहीनता के मामलों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करना है जारी सूची के अनुसार इटारसी के वरिष्ठ कांग्रेस नेता धर्मेंद्र मालवीय को समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है उनके नेतृत्व में गठित समिति में जिले के विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया गया है नर्मदापुरम से जीजी जोसफ, पिपरिया से एडवोकेट धर्मेंद्र नागवंशी, सिवनी मालवा के शिवपुर से मनीष देवड़ा तथा सोहागपुर से एडवोकेट मंगल सिंह रघुवंशी को सदस्य बनाया गया है। जिला अध्यक्ष शिवाकांत पाण्डेय ने बताया कि संगठन को मजबूत बनाने के लिए अनुशासन सबसे महत्वपूर्ण आधार है समिति पार्टी के भीतर गुटबाजी, अनुशासनहीनता, संगठन विरोधी गतिविधियों तथा कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से जुड़ी शिकायतों की सुनवाई करेगी आवश्यक होने पर समिति जांच कर अपनी रिपोर्ट जिला नेतृत्व को सौंपेगी जिसके आधार पर संगठनात्मक कार्रवाई की जाएगी उन्होंने बताया कि समिति के गठन का प्रस्ताव प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संगठन महासचिव डॉ. संजय कामले को अनुमोदन के लिए भेज दिया गया है।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने किया उप जेल मनेन्द्रगढ़ का औचक निरीक्षण, बंदियों की सुविधाओं और विधिक सहायता का लिया जायजा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशों तथा उच्चतम न्यायालय के आदेशों के अनुपालन में जिला स्तरीय निरीक्षण समिति ने सोमवार को उप जेल मनेन्द्रगढ़ का औचक निरीक्षण किया निरीक्षण का नेतृत्व प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष योगेश पारिक ने किया इस दौरान बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं, विधिक सहायता, स्वच्छता व्यवस्था तथा जेल प्रशासन की कार्यप्रणाली का विस्तृत निरीक्षण किया गया निरीक्षण दल में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव अमृता दिनेश मिश्रा, एडिशनल कलेक्टर अनिल सिदार, एडिशनल पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र नायक सहित जिला स्तरीय निरीक्षण समिति के अन्य सदस्य मौजूद रहे समिति ने जेल परिसर का भ्रमण कर विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया और बंदियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं, आवश्यकताओं एवं सुझावों की जानकारी प्राप्त की निरीक्षण के दौरान समिति ने विशेष रूप से यह सुनिश्चित किया कि सभी बंदियों को समय पर और निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है साथ ही इस बात की भी पुष्टि की गई कि जेल में किसी भी बंदी के साथ जाति, धर्म, वर्ग अथवा किसी अन्य आधार पर किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जा रहा है समिति ने स्पष्ट किया कि प्रत्येक बंदी को संविधान और कानून द्वारा प्रदत्त अधिकार समान रूप से मिलना चाहिए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश योगेश पारिक ने जेल में संचालित लीगल एड क्लीनिक का भी निरीक्षण किया उन्होंने वहां उपलब्ध विधिक सेवाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन बंदियों को कानूनी सहायता की आवश्यकता है उन्हें समय पर अधिवक्ता उपलब्ध कराए जाएं तथा न्यायालयीन प्रक्रियाओं की जानकारी भी नियमित रूप से दी जाए उन्होंने कहा कि आर्थिक या सामाजिक स्थिति के कारण कोई भी बंदी न्याय पाने के अधिकार से वंचित नहीं रहना चाहिए समिति ने जेल में उपलब्ध बिस्तरों, बैरकों की स्थिति, शौचालयों की स्वच्छता, पेयजल व्यवस्था, भोजन की गुणवत्ता, स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं तथा साफ-सफाई की व्यवस्थाओं का भी बारीकी से निरीक्षण किया अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि बंदियों के रहने की परिस्थितियां मानवीय गरिमा के अनुरूप बनी रहें तथा किसी भी प्रकार की कमी पाए जाने पर उसका तत्काल निराकरण किया जाए निरीक्षण के दौरान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने बंदियों से व्यक्तिगत रूप से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए उन्होंने कहा कि जेल सुधार केवल प्रशासनिक व्यवस्था तक सीमित नहीं है बल्कि बंदियों के अधिकारों की रक्षा, पुनर्वास और न्याय तक उनकी सहज पहुंच सुनिश्चित करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

सीहोर जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान बना जन आंदोलन

अभियान के अंतर्गत 2555 चेक डैम, 24,130 रनिंग मीटर कंटूर ट्रेंच सहित अनेक संरचनाओं का हुआ निर्माण

● जल संरक्षण में सीहोर की बड़ी उपलब्धि, जल गंगा संवर्धन अभियान में लक्ष्य से बढ़कर हुए कार्य

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। शासन के निर्देशानुसार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेशभर के साथ सीहोर जिले में 19 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान प्रभावी रूप से संचालित किया गया। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के मार्गदर्शन में जिले में यह अभियान केवल सरकारी कार्यक्रम तक सीमित नहीं रहा, बल्कि जनप्रतिनिधियों, विभिन्न विभागों, सामाजिक संगठनों एवं आम नागरिकों की सक्रिय सहभागिता से जन आंदोलन का रूप ले गया। अभियान के दौरान जल एवं जल स्रोतों के संरक्षण, संवर्धन तथा जन-जागरूकता के क्षेत्र में अनेक उल्लेखनीय कार्य किए गए।

अभियान के अंतर्गत जिले में चेक डैम निर्माण, तालाब निर्माण एवं गहरीकरण, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, जल गुणवत्ता परीक्षण, पौधरोपण, पाइपलाइन सुधार, प्याऊ स्थापना तथा जल स्रोतों के संरक्षण जैसे कार्य बड़े स्तर पर किए गए। इसके साथ ही जल चौपाल, जागरूकता रैली, वृक्ष पूजन, जल स्रोत पूजन, प्रभात फेरी, कलश यात्रा एवं अन्य जन-जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से आमजन, युवाओं एवं विद्यार्थियों को जल संरक्षण के प्रति प्रेरित किया गया।

अभियान के दौरान स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 260 विद्यालयों में पानी की टंकियों की सफाई का कार्य पूरा किया गया। वन विभाग ने अपने सभी निर्धारित लक्ष्यों को शत-प्रतिशत पूरा करते हुए 2555 चेक डैम, 10 तालाब निर्माण, 17 सौसर निर्माण, 4 तालाब गहरीकरण तथा 24,130 रनिंग मीटर कंटूर ट्रेंच का निर्माण किया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 72 पोषण वाटिकाएं तथा 72 रेन वाटर हार्वेस्टिंग कार्य पूर्ण किए गए। वहीं सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग ने 10 रेन वाटर हार्वेस्टिंग कार्य तथा 975 पौधों का रोपण कर निर्धारित लक्ष्य से अधिक उपलब्धि हासिल की। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा 78 जल संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए तथा 12 रूफ वाटर हार्वेस्टिंग कार्य भी पूर्ण किए गए। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा 1560 स्कूलों एवं 833 आंगनवाड़ियों में जल गुणवत्ता परीक्षण का कार्य शत-प्रतिशत पूरा किया गया तथा 54 पंप ऑपरेटरों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। राजस्व विभाग द्वारा जलग्रहण संरचनाओं को अतिक्रमण मुक्त कराने के 7 कार्य पूर्ण किए गए। किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग द्वारा 6 बलराम तालाब बनाए गए। उद्यानिकी विभाग ने फलदार पौधों का रोपण, 650 हेक्टेयर क्षेत्र में सूक्ष्म सिंचाई का विस्तार तथा पानी चौपालों का आयोजन किया।

नगरीय निकायों में अभियान के दौरान 233 रेन वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाएं, 52 प्याऊ (जल मंदिर) स्थापित किए गए तथा अमृत योजना के अंतर्गत 3337 हाउसहोल्ड कनेक्शन प्रदान किए गए, जो निर्धारित लक्ष्य से अधिक हैं। इसके अलावा 135 नाले-नालियों की साफ-सफाई एवं सौंदर्यीकरण, 411 जल गुणवत्ता परीक्षण, 197 पाइपलाइन लीकेज सुधार, 67 दूषित ट्यूबवेल जल संबंधी कार्यवाही, 74 शिकायतों का निराकरण तथा 130 सार्वजनिक नलों पर टोंटी लगाने के कार्य भी पूर्ण किए गए।

जन-जागरूकता गतिविधियों में भी जिले ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। अभियान के दौरान 113 वृक्ष पूजन, 107 जल स्रोत पूजन, 168 जल चौपाल एवं जल संवाद, 85 जल मंदिर स्थापना कार्यक्रम, 82 प्रभात फेरियां, 82 कलश यात्राएं, 80 जल संरक्षण के लिए समर्पित व्यक्तियों का सम्मान, 126 नारा लेखन कार्यक्रम, 53 मानस पाठ एवं भजन संध्या, 64 जल स्रोतों की साफ-सफाई, 35 नदी तटों की साफ-सफाई एवं गहरीकरण, 114 कुओं, बावड़ियों एवं तालाबों की साफ-सफाई, 47 सामूहिक श्रम-साधना कार्यक्रम तथा 50 नदी अनुभूति (ध्यान एवं योग) कार्यक्रम आयोजित किए गए। जल गंगा संवर्धन अभियान के माध्यम से सीहोर जिले में जल संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता का व्यापक वातावरण निर्मित हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप कलेक्टर श्री बालागुरू के. के नेतृत्व में जिला प्रशासन ने विभिन्न विभागों के समन्वय एवं जनभागीदारी से अभियान को सफल बनाते हुए जल संरक्षण की दिशा में स्थायी और प्रभावी कार्यों का नया उदाहरण प्रस्तुत किया।

पेट्रोल पंप से सटी चाय-नाश्ता दुकान में लगी आग, गैस सिलेंडर में लीकेज से आग लगने का संदेह, फायर ब्रिगेड ने बुझाई आग

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर के देवरी थाना क्षेत्र में स्थित राजौला पेट्रोल पंप के पास बनी चाय-नाश्ता की दुकान में सोमवार देर रात भीषण आग लग गई। आग की लपटें उठती देख पेट्रोल पंप पर मौजूद कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। तत्काल पुलिस और फायर फाइटर को सूचना दी गई। फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। दरअसल, राजौला पेट्रोल पंप से सटकर खुशी चाय-नाश्ता की दुकान है। सोमवार रात दुकानदार रोजाना की तरह दुकान बंद करके घर गया था। देर रात अज्ञात कारणों के चलते दुकान में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने भीषण रूप ले लिया। आग की लपटें उठती देख पंप पर मौजूद कर्मचारियों ने पंप संचालक राजू साहू को सूचना दी। उन्होंने पुलिस और फायर फाइटर को घटनाक्रम की जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर फाइटर मौके पर पहुंची। आग बुझाने की मशक्कत शुरू की। करीब 20 मिनट की मशक्कत कर आग पर काबू पा लिया गया। आगजनी में दुकान में रखा सामान पूरी तरह जलकर राख हो गया। आग लगने का कारण गैस सिलेंडर में लीकेज होना माना जा रहा है। हालांकि देवरी पुलिस आगजनी का पंचनामा बनाकर आग लगने के कारणों की जांच कर रही है।

खरगोन में 45 मिनट बारिश, कई इलाकों में जलभराव, दूसरे दिन भी मेहरबान मानसून, पहाड़ी क्षेत्रों के नाले-नदियों में उफान आया

मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन जिले में लगातार दूसरे दिन सोमवार को तेज बारिश हुई। शहर में दोपहर में 45 मिनट के भीतर 18.4 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जिससे कई इलाकों में पानी भर गया। कसरावद क्षेत्र में भी शाम 4 बजे गरज-चमक के साथ 35 मिनट तक तेज पानी बरसा। इसके बाद भी हल्की बारिश जारी रही। बादलों की घटा छाने से दिन में ही अंधेरा छा गया। वाहन चालकों को हेडलाइट जालना पड़े। खेतों और सड़कों पर कई जगह पानी भरने से आवाजाही में परेशानी हुई। किसान अपना काम छोड़कर खेतों से घर लौट आए। इससे पहले सोमवार को बरुड के पहाड़ी क्षेत्र में हुई जोरदार बारिश के कारण मोहिनी नदी और बुधिया नाले में बाढ़ आ गई थी।

तीन-चार दिनों का अलर्ट जारी: मौसम विभाग ने अगले तीन-चार दिनों तक जिले में जोरदार बारिश का अलर्ट जारी किया है। रिमझिम बारिश से वातावरण में ठंडक बनी हुई है। सोमवार को तेज गर्मी के साथ उमस हुई। अधिकतम तापमान 32.0 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 21.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जबकि रविवार 30.8 डिग्री दर्ज हुआ था।

एनसीटीई पाठ्यक्रमों के द्वितीय चरण का सीट आवंटन जारी

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 के अंतर्गत एनसीटीई (NCTE) पाठ्यक्रमों की प्रवेश प्रक्रिया के द्वितीय चरण का सीट आवंटन जारी कर दिया गया है। एनसीटीई पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए अब तक 99,597 विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया है, जिनमें से 78,784 विद्यार्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन पूर्ण किया जा चुका है। द्वितीय चरण में 21,242 विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया, जिनमें से 19,166 विद्यार्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन किया गया। सत्यापन उपरांत 18,563 विद्यार्थियों को विभिन्न महाविद्यालयों में सीट आवंटित की गई है। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व प्रथम चरण में 16,856 विद्यार्थियों को प्रवेश प्रदान किया जा चुका है। इस प्रकार प्रथम एवं द्वितीय चरण को मिलाकर अब तक कुल 35,419 विद्यार्थियों को एनसीटीई पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए सीट आवंटित की जा चुकी है। द्वितीय चरण में सीट आवंटित विद्यार्थियों को 29 जून से 4 जुलाई 2026 तक निर्धारित शुल्क जमा कर अपना प्रवेश सुनिश्चित करना होगा। उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित प्रवेश प्रक्रिया में अब तक स्नातक पाठ्यक्रमों में लगभग 2 लाख तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में लगभग 60 हजार विद्यार्थियों ने प्रवेश प्राप्त कर लिया है। इस प्रकार विभाग के अंतर्गत संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में अब तक लगभग 2 लाख 78 हजार विद्यार्थी प्रवेश प्राप्त कर चुके हैं। उच्च शिक्षा विभाग ने द्वितीय चरण में सीट आवंटित सभी विद्यार्थियों से निर्धारित समय-सीमा के भीतर शुल्क जमा कर संबंधित महाविद्यालय में आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण करते हुए प्रवेश सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। साथ ही महाविद्यालयों को निर्देशित किया गया है कि वे निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रवेश प्रक्रिया को पारदर्शी, समयबद्ध एवं सुचारु रूप से संपन्न कराना सुनिश्चित करें।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में अधिकारियों ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं और समय सीमा में निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में जिलेभर से आए 65 आवेदकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन दिए। जिला मुख्यालय के साथ ही जनपद कार्यालयों में भी जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में भूमि विवाद, नामांतरण, बंटवारा, आपसी विवाद, मेढ.-रास्ता विवाद, बीपीएल कार्ड, प्रधानमंत्री आवास, गन लाइसेंस, वृद्धावस्था पेंशन, आर्थिक सहायता, मुआवजा से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए।

खंडवा में दो गांवों में गिरी बिजली, दो की मौत

खेत में काम कर रहे और घर के बाहर खड़े व्यक्ति को चपेट में लिया

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा जिले में सोमवार को बारिश के दौरान आकाशीय बिजली ने कहर बरपा दिया। मूंदी क्षेत्र के दो अलग-अलग गांवों में बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। दोनों को गंभीर हालत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मूंदी लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। एक ही दिन में हुई इन दोनों घटनाओं से पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

खेत में काम करते समय किसान पर गिरी बिजली: पहली घटना शाम करीब 4 बजे ग्राम देवला माफी में हुई। यहां 42 वर्षीय किसान रघुवीर पिता छगनलाल अपने खेत में कृषि कार्य कर रहे थे।

इसी दौरान अचानक तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली उनके ऊपर गिर गई। हादसे में वे गंभीर रूप से झुलस गए। घटना के बाद ग्रामीण तुरंत उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मूंदी लेकर पहुंचे, लेकिन जांच के बाद डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

घर के बाहर खड़े व्यक्ति की भी गई जान: दूसरी घटना शाम करीब 7 बजे ग्राम भगवानपुरा में हुई। यहां 45 वर्षीय ओमप्रकाश पिता श्रीराम सेन अपने घर के बाहर खड़े थे। इसी दौरान वे आकाशीय बिजली की चपेट में आ गए। परिजन और ग्रामीण उन्हें भी तत्काल मूंदी अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टर उनकी जान नहीं बचा सके। ओमप्रकाश के शव का पोस्टमार्टम मंगलवार सुबह किया जाएगा।

दो गांवों में पसरा मातम: ग्रामीणों के अनुसार, दोनों मृतक अपने-अपने परिवार के मुखिया थे और अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। एक ही दिन में दो लोगों की मौत से देवला माफी और भगवानपुरा गांव में मातम का माहौल है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

पुलिस ने शुरू की जांच: घटना की सूचना मिलते ही मूंदी पुलिस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंची। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार, दोनों मामलों में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है।

भाई को ट्रेन में बैठाकर लौट रही महिला की मौत, घोड़ाडोंगरी-रानीपुर जोड़ पर ट्रक ने मारी टक्कर, पति होमगार्ड में सैनिक

मीडिया ऑडीटर, बैतूल (निप्र)। बैतूल में एक सड़क हादसे में सरकारी हॉस्टल की रसोइया प्रमिला धुर्वे (35) की मौत हो गई। वह अपने भाई को घोड़ाडोंगरी रेलवे स्टेशन पर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस में बैठाकर स्कूटी से घर लौट रही थीं। उनके पति राजू परते होमगार्ड सैनिक हैं। पुलिस के अनुसार, शोभापुर निवासी प्रमिला धुर्वे सोमवार रात को अपने भाई को घोड़ाडोंगरी रेलवे स्टेशन छोड़ने गई थीं। भाई के छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस से भोपाल रवाना होने के बाद, स्टेशन से लौटते समय घोड़ाडोंगरी-रानीपुर जोड़ पर उनकी स्कूटी को एक ट्रक (क्रमांक MH-40-CM-4786) ने टक्कर मार दी। इस टक्कर से प्रमिला धुर्वे की मौके पर ही मृत्यु हो गई।

सागर PWD में भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप, इंजीनियर पर मनमानी और अनियमित निर्माण कार्यों का आरोप

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। मध्यप्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र में पीडब्ल्यूडी (PWD) विभाग एक बार फिर गंभीर आरोपों के घेरे में आ गया है। सागर संभाग में पदस्थ और वर्तमान में छतरपुर में प्रभार संभाल रहे इंजीनियर आशीष भारती पर विकास कार्यों में अनदेखी, अनियमितताओं और कथित भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने जैसे गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन स्थानीय स्तर पर लगातार शिकायतें सामने आने के बाद मामला चर्चा में है।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स और जनप्रतिनिधियों द्वारा लगाए गए आरोपों के अनुसार इंजीनियर आशीष भारती पर यह आरोप है कि उनके कार्यकाल के दौरान कई निर्माण कार्यों में मानकों की अनदेखी की गई, जिससे सड़कें और अन्य अधोसंरचना परियोजनाएं कुछ ही समय में खराब हो गईं। आरोप यह भी है कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से समझौता कर ठेकेदारों को लाभ पहुंचाया गया।

अमानक निर्माण और सड़कों की खराब स्थिति के आरोप: बुंदेलखंड क्षेत्र में बनी कई सड़कों को लेकर यह दावा किया जा रहा है कि वे निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप नहीं बनाई गईं जिसके कारण वे जल्द ही जर्जर हो गईं आरोपों के अनुसार, इन कार्यों की निगरानी में गंभीर लापरवाही बरती गई और निरीक्षण व्यवस्था कमजोर रही।

स्थानीय लोगों का कहना है कि निर्माण कार्यों में घटिया सामग्री का उपयोग किया गया, जिससे जनता के पैसों का दुरुपयोग हुआ हालांकि विभागीय स्तर पर इन आरोपों पर अभी तक कोई स्पष्ट आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

निविदा और रॉयल्टी प्रक्रिया पर सवाल: आरोपों में यह भी कहा जा रहा है कि विभागीय निविदा प्रक्रियाओं में गड़बड़ी की गई और कुछ चहेते ठेकेदारों को अनुचित लाभ पहुंचाया गया। साथ ही रॉयल्टी से संबंधित फाइलों में भी अनियमितताओं की बात कही जा रही है जिससे सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचने का आरोप लगाया गया है।

प्रशासनिक व्यवस्था और निगरानी पर सवाल: स्थानीय स्तर पर यह भी आरोप लगाए जा रहे हैं कि संबंधित अधिकारी इतने प्रभावशाली हैं कि उन पर कार्रवाई करने से अन्य अधिकारी भी बचते नजर आते हैं आरोपों के अनुसार, शिकायतों के बावजूद कई मामलों में कार्रवाई केवल स्थानांतरण या अटैचमेंट तक सीमित रही, जिससे भ्रष्टाचार पर प्रभावी नियंत्रण नहीं हो सका।

गैस रिसाव से लगी आग में तीन सगी बहनें झुलसीं

छतरपुर में मकान और गृहस्थी का सामान राख,परिवार को तीन लाख का नुकसान

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले के चंदला थाना क्षेत्र के ग्राम बरुआ में सोमवार सुबह गैस सिलेंडर में रिसाव से आग लग गई। इस हादसे में खाना बना रही तीन सगी बहनें गंभीर रूप से झुलस गईं। आग से पूरा मकान और उसमें रखा गृहस्थी का सामान जलकर खाक हो गया।

जानकारी के अनुसार, ग्राम बरुआ निवासी मूलचंद रजक की बेटियां वंदना रजक, रोशनी रजक और उमाकांति रजक रसोई में खाना बना रही थीं। इसी दौरान गैस सिलेंडर से अचानक रिसाव शुरू हो गया। चूल्हे की चिंगारी से गैस ने आग पकड़ ली, जिससे तीनों बहनें आग की चपेट में आ गईं।

हादसे के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने तीनों झुलसी हुई बहनों को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों के अनुसार, उनकी हालत गंभीर बनी हुई है और उनका उपचार जारी है।

मकान पूरी तरह जलकर नष्ट हो गया: अग्निकांड में मूलचंद रजक का मकान पूरी तरह जलकर नष्ट हो गया। घर में रखा अनाज, कपड़े, बर्तन और अन्य घरेलू सामान भी आग की भेंट चढ़ गया। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, इस घटना में परिवार को करीब ढाई से तीन लाख रुपए का नुकसान हुआ है। घटना के दौरान घर में मौजूद छोटे बच्चों को स्थानीय लोगों और परिजनों ने समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। पीड़ित मूलचंद रजक ने शासन और जिला प्रशासन से आर्थिक सहायता एवं उचित मुआवजे की मांग की, ताकि परिवार को हुए नुकसान की भरपाई हो सके और वे अपना जीवन फिर से शुरू कर सकें।

मंदसौर में फॉल्ट सुधारते समय करंट से झुलसा बिजलीकर्मी खंभे से गिरा, 12 फीट ऊंचाई से गिरने पर सिर में टांके लगे

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर के भागवत नगर क्षेत्र में सोमवार दोपहर बिजली सुधार कार्य के दौरान एक बिजली कर्मचारी को करंट लग गया। करंट लगने से वह 12 फीट ऊंचे बिजली के खंभे से नीचे गिर गया। हादसे में कर्मचारी के सिर और हाथ में चोटें आई हैं। उसे तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, भागवत नगर में बिजली बंद होने की शिकायत मिली थी। इसे ठीक करने के लिए बिजली विभाग के कर्मचारी दीपक मालवीय अपने सहकर्मियों शंकरलाल और पीयूष माली के साथ मौके पर पहुंचे।

दीपक खंभे पर चढ़कर फॉल्ट ठीक कर रहे थे, तभी एक बिजली वाले तार से करंट उनकी उंगली से छू गई। उन्हें तेज झटका लगा और वे खंभे से नीचे गिर गए।

सिर और हाथ में गंभीर चोटें आईं: गिरने से दीपक के सिर और हाथ में गंभीर चोटें आईं। उनके सिर में तीन टांके लगाए गए हैं। हादसे के वक्त नीचे मौजूद सहकर्मियों शंकरलाल और पीयूष माली ने उन्हें तत्काल संभाला और जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

सहकर्मी शंकरलाल ने बताया कि वे भी मौके पर मौजूद थे। एक तरफ के तार में करंट प्रवाहित था, जिसकी चपेट में दीपक की उंगली आ गई। करंट लगने से उनका संतुलन बिगड़ गया और वे खंभे से नीचे गिर गए।

डॉक्टर बोले- फिलहाल खतरे के बाहर

घटना की सूचना मिलते ही कार्यपालन यंत्री दीपक बांदिल जिला अस्पताल पहुंचे और घायल कर्मचारी का हालचाल जाना। उन्होंने बताया कि फ्यूज कॉल अटेंड करने के दौरान कर्मचारी को करंट लगने की सूचना मिली थी। डॉक्टरों के अनुसार, कर्मचारी फिलहाल खतरे से बाहर है।

कार्यपालन यंत्री ने यह भी बताया कि मौके पर अन्य कर्मचारी मौजूद थे और सुरक्षा उपकरणों का उपयोग किया गया था। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, काम के दौरान तार के संपर्क में आने से करंट लगा और संतुलन बिगड़ने से कर्मचारी नीचे गिर गया। इस पूरे मामले की विभागीय जांच कराई जा रही है।

कोयला से लदा ट्रक पलटने से लगी आग

सजहार मोड़ पर अनियंत्रित होकर पलटा, चालक ने कूदकर जान बचाई

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली के जियावन थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-39 (NH-39) पर सजहार मोड़ के पास सोमवार देर रात एक सड़क हादसा हो गया। विंध्यनगर से मैहर की ओर जा रहा कोयला लदा एक तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे के बाद ट्रक में भीषण आग लग गई, जिससे पूरा वाहन जलकर खाक हो गया। ट्रक चालक ने समय रहते कूदकर अपनी जान बचा ली। घटना की सूचना मिलते ही जियावन थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने आसपास मौजूद लोगों को सुरक्षित दूरी पर हटाया और दमकल विभाग को सूचित किया।

दमकल की गाड़ियां पहुंचने ट्रक जला: प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में पूरा ट्रक उसकी चपेट में आ गया। दमकल की गाड़ियां पहुंचने तक ट्रक लगभग पूरी तरह जल चुका था। पुलिस और दमकल कर्मियों को आग बुझाने और यातायात सामान्य करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। जियावन थाना प्रभारी शेषनारायण द्विवेदी ने बताया कि हादसे के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग पर कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित हुआ था।

2028 के ओलंपिक गेम्स में छाएगा क्रिकेट

6-6 टीमें लेंगी हिस्सा, समझिए क्वालिफिकेशन प्रक्रिया

नई दिल्ली ,एजेसीं। 128 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी की दिशा में सोमवार को एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक के पुरुष और महिला क्रिकेट टूर्नामेंट्स के लिए क्वालिफिकेशन सिस्टम को मंजूरी दे दी है। इस नई प्रणाली में दोनों प्रतियोगिताओं के लिए अलग-अलग क्वालिफिकेशन तरीके निर्धारित किए गए हैं। इस मंजूरी से यह सुनिश्चत हो गया है कि एलए28 में पुरुषों और महिलाओं के टी20 टूर्नामेंट में छह-छह टीमें हिस्सा लेंगी और प्रत्येक टीम में अधिक से अधिक 15 खिलाड़ी शामिल होंगे। साल 1900 में आयोजित पेरिस ओलंपिक में क्रिकेट को पहली और इकलौती बार शामिल किया गया था, जिसके बाद ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी में कुल 180 एथलीट (90 पुरुष और 90 महिलाएं) हिस्सा लेंगे। आईएसी और इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) की तरफ से संयुक्त रूप से जारी क्वालिफिकेशन सिस्टम से पता चलता है कि भले ही दोनों टूर्नामेंट्स में छह-छह टीमें होंगी, लेकिन पुरुषों और महिलाओं के इवेंट्स के लिए क्वालिफिकेशन के तरीके काफी अलग होंगे। पुरुषों के टूर्नामेंट के लिए, चार टीमें सीधे आईसीसी मेंस टी20 टीम रैंकिंग के जरिए क्वालीफाई करेंगी। हालांकि, क्वालिफिकेशन सिर्फ टॉप चार रैंकिंग वाली टीमों से तय नहीं होगा। इसके बजाय, 31 दिसंबर 2026 को क्वालिफिकेशन विंडो खत्म होने पर चार अलग-अलग महाद्वीपों की चार सबसे ऊंची रैंकिंग वाली योग्य नेशनल ओलंपिक कमेटियां सीधे ओलंपिक में जगह पक्की करेंगी।

लॉस एंजिल्स गेम्स के मेजबान के तौर पर यूनाइटेड स्टेट्स को जगह मिलेगी, बशर्ते वे क्वालिफिकेशन अवधि के दौरान किसी भी समय आईसीसी मेंस टी20 रैंकिंग में टॉप-15 में रहने की आईसीसी की न्यूनतम योग्यता शर्त को पूरा करें। पुरुषों के लिए छठी और आखिरी जगह का फैसला 'फाइनल ओलंपिक ग्लोबल क्वालिफिकेशन टूर्नामेंट' (एफओजीक्यूटी) के जरिए होगा, जिसमें शेष एक स्थान के लिए अगली आठ सबसे ऊंची रैंकिंग वाली योग्य टीमें मुकाबला करेंगी, जिन्होंने पहले क्वालीफाई नहीं किया है। दूसरी तरफ, महिलाओं का क्वालिफिकेशन सिस्टम एक अलग मॉडल पर आधारित है। चार सीधे क्वालीफायर तय करने के लिए आईसीसी रैंकिंग का इस्तेमाल करने के बजाय, आईसीसी विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 मुख्य क्वालीफाइंग इवेंट होगा। टूर्नामेंट के आखिर में चार अलग-अलग महाद्वीपों की सबसे अच्छी रैंकिंग वाली योग्य टीमें एलए28 के लिए सीधे क्वालीफाई करेंगी। पुरुषों के इवेंट की तरह, मेजबान यूएसए को भी स्वतः प्रवेश मिलेगा, बशर्ते वे क्वालिफिकेशन पीरियड के दौरान टॉप 15 में रहने की न्यूनतम रैंकिंग की शर्त पूरी करें। अंतिम स्थान का फैसला 'फाइनल ओलंपिक ग्लोबल क्वालिफिकेशन टूर्नामेंट' के जरिए किया जाएगा, जिसमें अगली आठ सबसे अच्छी रैंकिंग वाली योग्य टीमें हिस्सा लेंगी, जिन्होंने पहले क्वालीफाई नहीं किया है। क्वालिफिकेशन सिस्टम का एक अहम पहलू वेस्टइंडीज से जुड़ा है। हालांकि, कैरेबियाई टीम आईसीसी इवेंट्स में एक संयुक्त टीम के तौर पर खेलती है, लेकिन आईओसी इसे 'नेशनल ओलंपिक कमिटी' के तौर पर मान्यता नहीं देता, इसलिए यह ओलंपिक गेम्स में एक इकाई के तौर पर हिस्सा नहीं ले सकती।।

अंडर-15 एशियन चैंपियनशिप में फ्रीस्टाइल टीम दूसरे स्थान पर रही

भारतीय लड़कों ने 4 गोल्ड जीते

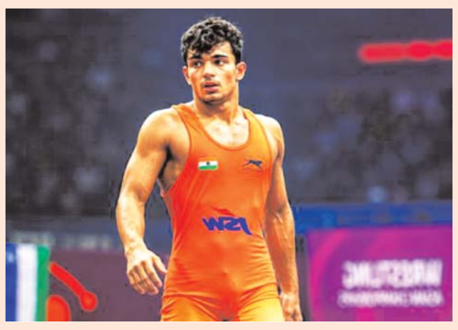

पटाया (थाईलैंड),एजेसीं। अंडर-15 एशियन रेसलिंग चैंपियनशिप के तीसरे दिन भारतीय लड़कों ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने चार गोल्ड मेडल जीते और पुरुषों की फ्रीस्टाइल प्रतियोगिता में देश के लिए कुल आठ मेडल हासिल किए। भारत ने तीसरे दिन की समाप्ति तक अंडर-15 चैंपियनशिप में कुल 21 मेडल (8 गोल्ड, 6 सिल्वर, 7 ब्रॉन्ज) हासिल कर लिए हैं। प्रथमेश एस पाटिल (52 किलोग्राम), नैतिक (62 किलोग्राम), केशव हर्षद चेमटे (75 किलोग्राम) और विवेक चौहान (85 किलोग्राम) ने अपने-अपने भारवर्ग में गोल्ड मेडल जीतकर भारतीय टीम के लिए दिन को यादगार बनाया। चार गोल्ड मेडल के अलावा, भारत ने एक सिल्वर और तीन ब्रॉन्ज मेडल भी जीते, जिससे सोमवार को सभी आठ भारवर्ग में पोडियम पर जगह बनाई। फाइनल मुकाबलों में, पाटिल ने जापान के दाइची मात्सुमी के खिलाफ 'टेक्निकल सुपीरियरिटी' के आधार पर 10-0 से शानदार जीत दर्ज की, जबकि चौहान ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए जापान के ही एक अन्य रेसलर, ताइसेई सुजुकी को 5-0 से हराया। नैतिक ने एक रोमांचक मुकाबले में उज्बेकिस्तान के इस्मोइलजोन नाजिरजोनोव को 8-6 से मात दी। चेमटे ने हाई-स्कोरिंग थ्रिलर में कजाकिस्तान के येरसुल्तान सुलेमान को 11-10 से शिकस्त दी। वहीं, नितेश (57 किग्रा) को फाइनल में जापान के आइसेब घरेहदाघी के खिलाफ 2-10 से हार का सामना करने के बाद सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा। भारतीय टीम ने अपने तीनों ब्रॉन्ज-मेडल प्लेऑफ मुकाबले जीते। गौतम (41 किलोग्राम) ने हांगकांग के शू यान सुंग को 'पिन' करके 8-0 से जीत हासिल की, वंश अहलावत (44 किलोग्राम) ने ताजिकिस्तान के योकुब दिलशोद दिलशोजोदा पर 12-4 अंकों से शानदार जीत दर्ज की, जबकि अरमान (68 किलोग्राम) ने तुर्कमेनिस्तान के इदरीस मेलेजेयेव को 'टेक्निकल सुपीरियरिटी' के आधार पर 10-0 से हराया। तीसरे दिन के नतीजे (पुरुष फ्रीस्टाइल) गोल्डः प्रथमेश एस पाटिल (52 किलोग्राम) ने दाइची मात्सुमी (जापान) को 10-0 से हराया। गोल्डः नैतिक (62 किलोग्राम) ने इस्मोइलजोन नाजिरजोनोव (उज्बेकिस्तान) को 8-6 से मात दी। गोल्डः केशव हर्षद चेम्टे (75 किलोग्राम) ने येरसुल्तान सुलेमान (कजाकिस्तान) को 11-10 से शिकस्त दी। गोल्डः विवेक चौहान (85 किलोग्राम) ने ताइसेई सुजुकी (जापान) को 5-0 से हराया।

दिल्ली कैपिटल्स में वापसी से ऋषभ अपना स्वाभाविक प्रदर्शन कर पायेंगे : डिविलियर्स

बल्लेबाजी पर अधिक ध्यान दे सकेंगे

जोहांसबर्ग ,एजेसीं। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ए बी डिविलियर्स का मानना है कि आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने जिस प्रकार से एक बार फिर अपनी पुरानी आईपीएल टीम दिल्ली कैपिटल्स में वापसी की है। वह एक रणनीतिक कदम है। इससे उनके ऊपर अधिक वेतन को लेकर पड़ रहा दबाव कम होगा और वह अपना स्वाभाविक खेल दिखा सकेंगे। ऋषभ ने हाल ही में लखनऊ सुपरजयंस में मिल रहे रिकार्ड 27 करोड़ के वेतन को छोड़कर 15 करोड़ में दिल्ली कैपिटल्स में वापसी की है। डिविलियर्स का मानना है कि वेतन का कम दबाव पंत को अपना स्वाभाविक खेल दिखाने में सहायता कर सकता है। पिछले सत्र में लखनऊ के साथ मतभेदों के कारण संभव नहीं हो पा रहा था। डिविलियर्स के अनुसार पिछले सत्र के दौरान ही ऋषभ की नाराजगी भी सुपरजायंट्स टीम से दिख रही थी। इससे भी उनका प्रदर्शन प्रभावित हुआ था। ऋषभ दो सत्र तक लखनऊ सुपर जायंट्स में शामिल रहे। वहीं इस बार ट्रेड करार के तहता वह दिल्ली कैपिटल्स में लौट आए हैं। ऋषभ ने अपने आईपीएल करियर की शुरुआत साल 2016 में दिल्ली कैपिटल्स से ही की थी। अब अगले आईपीएल सत्र में सभी की नजरें इस बात पर रहेंगी कि ऋषभ अपनी पुरानी टीम में वापसी के बाद किस तरह का प्रदर्शन करते हैं और दिल्ली कैपिटल्स नए बदलावों के साथ कितनी सफलता हासिल कर पाती हैं या नहीं। लखनऊ सुपर जायंट्स में रहते हुए ऋषभ को आईपीएल में सबसे ज्यादा 27 करोड़ रुपये की राशि मिली थी। हालांकि दिल्ली कैपिटल्स में वापसी के बाद उनका वेतन घटकर 15 करोड़ रुपये रह गया है। डिविलियर्स के अनुसार पिछले सत्र में ऋषभ ने कई बार संकेत दिये थे कि वह वह टीम के माहौल से खुश नहीं हैं। टीम प्रबंधन और कोचिंग स्टाफ के साथ भी उनका तालमेल नहीं था। कप्तान के तौर पर वह लखनऊ सुपर जायंट्स में असफल रहे थे। ऋषभ के दिल्ली से जुड़ने के अलावा भी टीम में कई अन्य बदलाव इसके तहत पूर्व कप्तान सौरव गांगुली एक बार फिर टीम के क्रिकेट निदेशक की जिम्मेदारी संभाल सकते हैं, जबकि पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी युवराज सिंह के बल्लेबाजी कोच बनने की संभावनाए हैं। डिविलियर्स हालांकि लगातार बदलावों को सही नहीं मानते हैं। उनका कहना है कि ज किसी टीम में बार-बार मालिक, कोच और प्रबंधन बदलते हैं तो खिलाड़ियों के लिए स्थिर माहौल बनाना मुश्किल हो जाता है।

मोरक्को ने पेनल्टी शूटआउट में नीदरलैंड को हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई

मॉन्टेरी ,एजेसीं। मोरक्को ने मंगलवार को यहां मॉन्टेरी स्टेडियम में नीदरलैंड पर पेनल्टी शूटआउट में जबरदस्त जीत के साथ फीफा विश्व कप 2026 के अंतिम-16 में जगह बना ली। निश्चित और अतिरिक्त अवधि (120 मिनट) मिलाकर भी इस मैच का फैसला नहीं हो सका। मैच 1-1 से बराबर था। इसके बाद पेनल्टी में मोरक्को ने 3-2 से जीत हासिल की। 72वें मिनट में कोडी गैकपो ने गोल करके नीदरलैंड को बढ़त दिलाई। क्राइसेंसियो समरविले के गोल के सामने एक शानदार रन और ऑफ-बैलेंस टचबैक ने गैकपो को गोल करने में मदद की। गैकपो अब वर्ल्ड कप में नीदरलैंड के लिए छह गोल के साथ संयुक्त रूप से दूसरे सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। वह सिर्फ जॉनी रेप से पीछे हैं, जिन्होंने 1974 (चार गोल) और 1978 (तीन गोल) के बीच सात गोल किए थे। मोरक्को ने 91वें मिनट में बराबरी का गोल करके वापसी की। सेंट्रल डिफेंडर इसा डियोप ने अतिरिक्त समय की शुरुआत में स्थानापन्न चेम्सडाइन टैल्बी के क्रॉस पर हेडर मारकर गोल कर दिया। मॉन्टेरी में 120 मिनट का रोमांचक मैच उतार-चढ़ाव वाला रहा और रेगुलर या एक्स्ट्रा टाइम में कोई विनर नहीं बन पाया। लगातार दूसरे मैच में, टीमों को बांटने के लिए पेनल्टी किक की जरूरत पड़ी। पेनल्टी किक के दौरान, दोनों देशों ने अपनी पहली दो कोशिशों में से एक में चूक की, तीसरी में गोल किया और फिर चौथी में चूक गए। यासीन बौनू ने क्राइसेनसियो समरविले का शॉट बचाया, और इस्माइल साइबारी ने अपना गोल करके जीत हासिल की। वहां, यासीन बौनू शूटआउट में हीरो बने।

एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय टीम की घोषणा

हरमनप्रीत कौर के कंधों पर गोल्ड बचाने की जिम्मेदारी

मुंबई ,एजेसीं। एशियन गेम्स 2026 के लिए बीसीसीआई ने मंगलवार को भारतीय टीम की घोषणा की। बीसीसीआई की ओर से हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में 15 सदस्यीय भारतीय टीम का ऐलान किया गया है। सिलेक्शन कमिटी ने ज्यादातर उन्हीं खिलाड़ियों पर भरोसा जताया है, जो टी20 वर्ल्ड कप में खेली थी। बीसीसीआई की ओर से टीम में एक बदलाव किया गया है। यस्तिका भाटिया की जगह बाएं हाथ की बल्लेबाज और विकेटकीपर जी. कामलिनी को स्क्वाड में शामिल किया गया है। एशियाई खेलों 2026 में डिफेंडिंग चैंपियन के तौर पर टीम इंडिया उतरेगी। जापान के आइची-नागोया में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक टूर्नामेंट खेला जाएगा। भारत ने इससे पहले चीन के हांगझोऊ में हुए एशियाई खेलों में महिला क्रिकेट प्रतियोगिता में ऐतिहासिक गोल्ड मेडल जीता था। टीम की बात करें तो उप-कप्तान स्मृति मंधाना के साथ शेफाली वर्मा और जेमिमा रोड्रिग्स के कंधों पर बल्लेबाजी की जिम्मेदारी रहेगी। स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा मिडिल ऑर्डर में बल्लेबाजी को मजबूती देंगी। ऋचा घोष विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी निभाएंगी और उनके साथ बैकअप विकेटकीपर के तौर पर कामलिनी को टीम में जगह मिली है।

तेज गेंदबाजी की बात करें तो स्विंग स्पेशलिस्ट रेणुका सिंह ठाकुर और अनुभवी अरुंधति रेड्डी के कंधों पर जिम्मेदारी रहेगी। वहीं, राधा यादव और श्रेयंका पाटिल स्पिन से विपक्षी बल्लोबाजों को छकाएंगी। बीसीसीआई की ओर से कहा गया है कि हाल ही में चोट के कारण बाहर रहने के बाद श्रेयंका को फाइनल स्क्वाड में शामिल करना उनकी फिटनेस क्लीयरेंस पर निर्भर करेगा। टखने में चोट के कारण यह ऑलराउंडर टी20 वर्ल्ड कप से बाहर हो गई थीं। एशियाई गेम्स 2026 के लिए भारतीय स्क्वाडः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी. कामलिनी (विकेटकीपर), भारती फुलमाली, श्री चरणी, रेणुका ठाकुर, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, श्रेयंका पाटिल (फिटनेस पर निर्भर), राधा यादव, नंदनी शर्मा।

चार बार की चैम्पियन जर्मनी बाहर, पैराग्वे ने पेनल्टी शूटआउट में जीत दर्ज कर अंतिम-16 में जगह बनाई

फॉक्सबोरो,एजेसीं। फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ 32 में पराग्वे ने चार बार की चैंपियन जर्मनी को पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से हराकर बड़ा उलटफेर कर दिया। मंगलवार को बोस्टन स्टेडियम में खेले गए मुकाबले का निर्धारित समय 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ था। इसके बाद मैच का फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ। फीफा विश्व कप के इतिहास में जर्मनी इससे पहले कभी भी पेनल्टी शूटआउट में नहीं हारा था। इस बार भी टीम ने आखिरी तक संघर्ष किया। अनुभवी गोलकीपर मैनुअल नोयर ने शानदार बचाव कर जर्मनी की उम्मीदें जिंदा रखीं, लेकिन आखिरकार पराग्वे ने अपने तीसरे निर्णायक मौके का फायदा उठाकर अंतिम-16 में जगह बना ली। मैच के 42वें मिनट में जूलियो एन्सिसो ने गोल कर पराग्वे को 1-0 की बढ़त दिलाई। दूसरे हाफ में फ्लोरियन विर्ट्ज़ के क्रॉस पर काई हैवर्ट्ज़ ने हेडर से गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद जोनाथन टाह ने भी हेडर से गोल किया, लेकिन उसे अमान्य करार दे दिया गया। तय समय तक कोई और गोल नहीं हुआ, इसलिए मुकाबला पेनल्टी शूटआउट में पहुंचा।

शूटआउट की शुरुआत जर्मनी ने की, लेकिन काई हैवर्ट्ज़ की पहली पेनल्टी पर पराग्वे के गोलकीपर के हाथों बचाव किया। इसके बाद मॉरिसियो ने गोल कर पराग्वे को बढ़त दिला दी। हालांकि, जोशुआ किमिख ने अगली पेनल्टी पर गोल करके जर्मनी की वापसी कराई।

इसके बाद गुस्तावो गोमेज़ ने गोल कर पराग्वे को 2-1 से आगे किया, लेकिन जमाल मुसियाला ने शानदार शॉट लगाकर स्कोर 2-2 कर दिया। रोमांच तब और बढ़ गया जब मटियास गैलार्ज़ा ने गोल करके पैराग्वे को जीत के करीब पहुंचा दिया, जबकि जर्मनी के लिए निक वोल्टेमेड का अगला प्रयास रोक दिया गया।

हालांकि, चार बार की चैंपियन टीम मुकाबले में बनी रही क्योंकि एंटोनियो सनाब्रिया का संभावित मैच-विनिंग शॉट रोक दिया गया, जिससे नादिम अमीरी को मौका मिला और उन्होंने स्कोर 3-3 कर दिया। इसके बाद पराग्वे के फेबियन बालबुएना की पेनल्टी को भी मैनुअल नोयर ने रोककर जर्मनी की उम्मीदें कायम रखीं। लेकिन पराग्वे ने तीसरा मौका नहीं गंवाया। जोसे कनाले ने दबाव के बीच शानदार पेनल्टी लगाकर अपनी टीम को जीत दिलाई और जर्मनी को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया।

इस जीत के साथ कोच गुस्तावो अल्फारो की अगुआई में पराग्वे ने अंतिम-16 में अपनी जगह पक्की कर ली, जबकि चार बार की विश्व चैंपियन जर्मनी का अभियान राउंड ऑफ 32 में ही समाप्त हो गया।

इंग्लैंड दौरे से पहले टीम इंडिया की बढ़ी टेंशन

इस युवा ऑलराउंडर की फिटनेस पर सस्पेंस

नई दिल्ली ,एजेसीं। भारतीय टीम के युवा तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी की इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में उपलब्धता पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, चोट से उबर रहे रेड्डी ने अभी तक अपना रिहैबिलिटेशन भी शुरू नहीं किया है, जबकि सीरीज शुरू होने में दो सप्ताह से भी कम समय बचा है। BCCI की मेडिकल टीम ने 23 वर्षीय नितीश कुमार रेड्डी को फिलहाल लंबा आराम करने की सलाह दी है। ऐसे में उनकी फिटनेस को लेकर संशय और बढ़ गया है। अफगानिस्तान सीरीज के दौरान लगी थी चोट नितीश कुमार रेड्डी को अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज के दौरान बाएं पैर की क्वाड्रिसेप्स (Quadriceps) मांसपेशी में चोट लगी थी। इसी वजह से वह दूसरे वनडे से बाहर रहे थे, हालांकि बाद में तीसरे और अंतिम मुकाबले में वापसी की थी। इसके बाद दर्द पूरी तरह ठीक नहीं होने के कारण उन्हें आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से भी बाहर होना पड़ा। हार्दिक पहले से बाहर, अब रेड्डी पर भी संकट रेड्डी की फिटनेस पर सवाल ऐसे समय उठे हैं जब टीम इंडिया पहले ही अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या की सेवाएं नहीं ले पा रही है। हार्दिक फिलहाल बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (CoE) में अपनी फिटनेस हासिल करने के लिए परफॉर्मेंस ब्लॉक प्रोग्राम से गुजर रहे हैं। अगर रेड्डी भी उपलब्ध नहीं होते हैं तो भारत के लिए तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर की कमी बड़ी चुनौती बन सकती है। क्या सूर्यांश शेडगे को मिलेगा मौका यदि नितीश कुमार रेड्डी फिट नहीं हो पाते हैं तो सूर्यांश शेडगे उनके सबसे मजबूत विकल्प बन सकते हैं। शेडगे ने श्रीलंका में खेली गई वनडे ट्राई-सीरीज में प्रभावशाली प्रदर्शन किया था। उन्होंने आयरलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 में अंतरराष्ट्रीय डेब्यू भी किया, जहां दो ओवर में 25 रन देकर एक रन बनाया। अब तक शेडगे ने 15 लिस्ट-ए मुकाबले खेले हैं, जिनकी 13 पारियों में 258 रन बनाए हैं। उनका बल्लेबाजी औसत 21.50 और स्ट्राइक रेट 101.97 रहा है। गेंदबाजी में उनके नाम 11 विकेट दर्ज हैं, जिसमें एक चार विकेट हॉल भी शामिल है।

52 पाव अवैध शराब जब्त आरोपी जेल भेजा गया

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। धमतरी जिले में अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत आबकारी विभाग ने ग्राम पीपरछेड़ी (ग), थाना अर्जुनी क्षेत्र में 52 पाव अवैध देशी प्लेन शराब जब्त की है। इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। न्यायालय में पेशी के बाद आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत गठित टीम ने गोपनीय सूचना के आधार पर ग्राम पीपरछेड़ी निवासी सुमित कुमार भारती के घर दबिश दी। तलाशी के दौरान वहां से 52 पाव अवैध देशी मदिरा प्लेन बरामद की गई। आरोपी के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा के तहत प्रकरण दर्ज कर विधिसम्मत कार्रवाई की गई। विभाग के अनुसार जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, परिवहन और विक्रय पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा। आबकारी विभाग ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि अवैध शराब के निर्माण, परिवहन या बिक्री संबंधी किसी भी गतिविधि की जानकारी तत्काल विभाग को दें, ताकि दोषियों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई की जा सके।

करेले की खेती ने बदली तकदीर आधुनिक तकनीक से बढ़ी आमदनी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। बदलते दौर में खेती अब केवल परंपरा नहीं, बल्कि बेहतर आय का भरोसेमंद जरिया भी बन रही है। इसका उदाहरण महासमुंद जिले के विकासखंड बागबाहरा के ग्राम जुनवानी खुर्द के प्रगतिशील किसान ओमनारायण ध्रुव हैं, जिन्होंने उद्यानिकी फसलों की वैज्ञानिक खेती अपनाकर अपनी आय में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की है। करीब 2.32 हेक्टेयर सिंचित कृषि भूमि के मालिक ओमनारायण ध्रुव वर्षभर विभिन्न उद्यानिकी फसलों की खेती करते हैं। इससे उन्हें नियमित आय मिलती है और पारंपरिक खेती की तुलना में कहीं अधिक लाभ प्राप्त हो रहा है। वर्ष 2025-26 में उन्होंने राष्ट्रीय बागवानी मिशन के तहत सब्जी क्षेत्र विस्तार योजना का लाभ लेते हुए एक हेक्टेयर में करेला की खेती की। इसके लिए उन्हें 24 हजार रुपये का अनुदान मिला, वहीं आधा हेक्टेयर क्षेत्र में सपोर्ट सिस्टम स्थापित करने के लिए 5 हजार रुपये की अतिरिक्त सहायता भी प्रदान की गई।ओमनारायण ने खेती में ड्रिप सिंचाई और आधुनिक कृषि यंत्रों का उपयोग कर उत्पादन लागत पर नियंत्रण के साथ जल संरक्षण को भी प्राथमिकता दी। आधुनिक तकनीकों का परिणाम यह रहा कि उन्हें प्रति एकड़ लगभग 12 टन करेला उत्पादन प्राप्त हुआ। औसतन 15 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से फसल बेचने के बाद सभी लागतों को घटाकर उन्हें करीब 96 हजार रुपये प्रति एकड़ का शुद्ध लाभ मिला। ओमनारायण ध्रुव अपनी इस सफलता का श्रेय राष्ट्रीय बागवानी मिशन, उद्यानिकी विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन और आधुनिक खेती की तकनीकों को देते हैं। उनकी उपलब्धि से प्रेरित होकर आसपास के कई किसान भी अब सब्जी एवं उद्यानिकी फसलों की खेती की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। इससे क्षेत्र में उद्यानिकी फसलों का रकबा बढ़ रहा है और किसानों की आय के नए रास्ते खुल रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के सुशासन का असर, सेवा सेतु पोर्टल बना आमजन की उम्मीदों का मजबूत आधार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में सुशासन, पारदर्शिता और डिजिटल सेवा वितरण को नई दिशा मिल रही है। शासन की जनहितैषी सोच और तकनीक आधारित प्रशासनिक सुधारों का सशक्त उदाहरण बनकर उभरा सेवा सेतु पोर्टल आज प्रदेश के लाखों नागरिकों के लिए भरोसेमंद माध्यम बन चुका है। इस पोर्टल के जरिए शासकीय सेवाएं अब घर बैठे सरल, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से उपलब्ध हो रही हैं, जिससे आमजन का समय और धन दोनों की बचत हो रही है तथा शासन के प्रति विश्वास भी लगातार मजबूत हो रहा है। रायगढ़ जिले की तहसील पुसौर के ग्राम भाठनपाली निवासी श्री अजय कुमार प्रधान की सफलता की कहानी मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की डिजिटल सुशासन की सोच को साकार करती है। लंबे समय से स्थायी जाति प्रमाण पत्र बनवाने के लिए वे सरकारी कार्यालयों के लगातार चक्कर लगा रहे थे। बार-बार तहसील कार्यालय जाने से समय और आर्थिक संसाधनों की हानि हो रही थी, लेकिन इसके बावजूद उन्हें आवश्यक प्रमाण पत्र समय पर प्राप्त नहीं हो पा रहा था। इसके कारण वे कई सरकारी नौकरियों में आवेदन करने से भी वंचित रह जाते थे।

सहकारिता सप्ताह : सोसायटियों में ध्वजारोहण, उप-नियमों की जानकारी पाकर जागरूक हुए किसान

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ में 29 जून से 6 जुलाई तक 'सहकारिता सप्ताह' का आयोजन किया जा रहा हैस इसका मुख्य उद्देश्य किसानों, महिलाओं और युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है स राष्ट्रीय सहकारिता सप्ताह के अवसर पर सारंगढ़- बिलाईगढ़ जिले की विभिन्न प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों में सहकारिता ध्वजारोहण कार्यक्रम अत्यंत हर्षोल्लास और गरिमापूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। सहसपुर समिति में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में अंचल के अनेक जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी और बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।समारोह को संबोधित करते हुए अतिथियों और वक्ताओं ने सहकारिता के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सहकारिता आंदोलन ग्रामीण अर्थव्यवस्था की असली रीढ़ है।

रामगढ़ महोत्सव में रामलीला, कवि सम्मेलन और 'जटायु मोक्ष' की प्रस्तुति ने बांधा समां

नई दिल्ली के ख्याति प्राप्त कलाकारों की रामलीला

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सरगुजा अंचल की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक विरासत को समर्पित दो दिवसीय रामगढ़ महोत्सव-2026 के प्रथम दिवस में संस्कृति, साहित्य और लोककला का अद्भुत संगम देखने को मिला। महोत्सव में प्रस्तुत विविध सांस्कृतिक एवं साहित्यिक कार्यक्रमों ने दर्शकों का मन मोह लिया। नई दिल्ली के ख्याति प्राप्त कलाकारों द्वारा प्रस्तुत भव्य रामलीला, कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय उदयपुर की छात्राओं द्वारा 'जटायु मोक्ष' की भावपूर्ण नृत्य-नाटिका तथा कवि सम्मेलन कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षण रहे।नई दिल्ली से आए ख्याति प्राप्त कलाकारों ने भगवान श्रीराम के जीवन प्रसंगों का अत्यंत प्रभावशाली मंचन कर दर्शकों को त्रेतायुग की अनुभूति कराई। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के आदर्श जीवन, धर्म, सत्य, त्याग एवं कर्तव्यपरायणता को सशक्त अभिनय, प्रभावी संवाद, आकर्षक वेशभूषा, भव्य मंच सज्जा और मधुर संगीत के माध्यम से जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया। प्रस्तुति के दौरान पूरा परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा और दर्शक कलाकारों के अभिनय से अभिभूत नजर आए। इसी क्रम में कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, उदयपुर की बालिकाओं ने 'जटायु मोक्ष' पर आधारित मनमोहक नृत्य-नाटिका

प्रस्तुत कर सभी को भावविभोर कर दिया। भगवान श्रीराम और जटायु के प्रसंग को बालिकाओं ने अत्यंत संवेदनशील एवं प्रभावशाली अभिनय तथा नृत्य के माध्यम से साकार किया। भावपूर्ण अभिव्यक्ति, उत्कृष्ट मंच संचालन, पारंपरिक वेशभूषा और सुमधुर संगीत के समन्वय ने प्रस्तुति को अत्यंत जीवंत बना दिया। बालिकाओं की इस प्रस्तुति ने उपस्थित दर्शकों की आंखें नम कर दीं और पूरा सभागार देर तक तालियों की गूंज से गूंजता रहा। उनकी प्रतिभा और आत्मविश्वास ने सभी का मन मोह लिया। महोत्सव का एक अन्य प्रमुख आकर्षण कवि सम्मेलन रहा, जिसमें प्रतिष्ठित कवियों ने अपनी ओज, वीर, श्रृंगार, हास्य-व्यंग्य एवं समसामयिक विषयों पर आधारित रचनाओं का प्रभावशाली पाठ किया। राष्ट्रभक्ति, भारतीय संस्कृति, सामाजिक सरोकारों और मानवीय मूल्यों पर आधारित कविताओं ने श्रोताओं को गहराई से प्रभावित किया, वहीं हास्य-व्यंग्य की रचनाओं ने पूरे वातावरण को आनंदमय बना दिया। कवियों की दमदार प्रस्तुति पर दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका उत्साहवर्धन किया। इसके अतिरिक्त लोकगीत, सरगुजिहा लोकनृत्य, करमा नृत्य, स्वागत गीत एवं अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने भी महोत्सव को भव्यता प्रदान की। स्थानीय एवं क्षेत्रीय कलाकारों ने सरगुजा की समृद्ध लोक संस्कृति और परंपराओं का प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए अपनी कला का उत्कृष्ट परिचय दिया। रामगढ़ महोत्सव का उद्देश्य सरगुजा अंचल की ऐतिहासिक धरोहर, सांस्कृतिक विरासत एवं साहित्यिक परंपरा को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाना तथा नई पीढ़ी को अपनी समृद्ध संस्कृति से जोड़ना है। प्रथम दिवस के भव्य और सफल आयोजन ने इस उद्देश्य को सार्थक रूप से अभिव्यक्त किया।

नैनो यूरिया से बदल रही खेती की तस्वीर

स्वस्थ मिट्टी के साथ बढ़ रही किसानों की उम्मीद

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। खेती में आधुनिक तकनीकों को अपनाने की दिशा में छत्तीसगढ़ राज्य के किसान लगातार नए प्रयोग कर रहे हैं। इन्हीं किसानों में शामिल हैं बेमेतरा जिले के ग्राम बावाघठोली के कृषक संपद दास मानिकपुरी, जिन्होंने नैनो यूरिया के उपयोग से खेती में मिले सकारात्मक अनुभव साझा किए हैं। उनका मानना है कि यह तकनीक न केवल फसल उत्पादन को बेहतर बनाने में सहायक है, बल्कि मिट्टी की सेहत और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। संपद दास मानिकपुरी बताते हैं कि नैनो यूरिया के प्रयोग से फसलों को आवश्यक पोषक तत्व समय पर और प्रभावी ढंग से मिलते हैं। इससे पोषक तत्वों का बेहतर प्रबंधन संभव होता है, जबकि मिट्टी की जैविक सक्रियता भी बनी रहती है। उनका कहना है कि संतुलित पोषण मिलने से खेती अधिक वैज्ञानिक, किफायती और टिकाऊ बन रही है। वे बताते हैं कि कृषि विभाग के मार्गदर्शन में नैनो यूरिया का उपयोग करने के बाद उन्हें आधुनिक खेती की उपयोगिता का बेहतर अनुभव हुआ। उनके अनुसार, यह तकनीक भविष्य की कृषि के लिए एक उपयोगी विकल्प बनकर उभर रही है, जिससे किसानों को बेहतर उत्पादन के साथ प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का भी लाभ मिल सकता है।संपद दास मानिकपुरी ने किसानों से भी अपील की है कि वे कृषि विशेषज्ञों की सलाह के अनुसार नैनो उर्वरकों का उपयोग करें। उनका कहना है कि यदि किसान आधुनिक और वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाएंगे तो न केवल उत्पादन में वृद्धि होगी, बल्कि मिट्टी की उर्वरता भी लंबे समय तक सुरक्षित रहेगी।

'सरस्वती साइकिल योजना से वैष्णवी के सपनों को मिली नई उड़ान

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सरस्वती साइकिल वितरण योजना छत्तीसगढ़ सरकार की एक प्रमुख कल्याणकारी पहल है, जिसके तहत हाई स्कूल में पढ़ने वाली छात्राओं को स्कूल तक आवागमन सुगम बनाने के लिए निःशुल्क साइकिल प्रदान की जाती है। इसका उद्देश्य बालिकाओं की शिक्षा को प्रोत्साहित करना, उन्हें दूरदराज के क्षेत्रों से सुरक्षित और समय पर स्कूल पहुँचाने में मदद करना और ड्रॉप-आउट दर को कम करना है। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी सरस्वती साइकिल योजना बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में सार्थक पहल साबित हो रही है। सूरजपुर जिले के शासकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय, सूरजपुर की छात्रा वैष्णवी कसेरा को निःशुल्क साइकिल प्रदान की गई, जिससे उसके शिक्षा के सपनों को नई उड़ान मिली है।

आषाढ़ के प्रथम दिवस पर दो दिवसीय रामगढ़ महोत्सव-2026 का हुआ भव्य शुभारंभ

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने किया उद्घाटन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। आषाढ़ मास के प्रथम दिवस पर सरगुजा अंचल की गौरवशाली ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक विरासत के प्रतीक दो दिवसीय रामगढ़ महोत्सव-20626 का शुभारंभ सोमवार को पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने किया। पारंपरिक गरिमा, सांस्कृतिक उल्लास और ऐतिहासिक चेतना से ओतप्रोत इस आयोजन में लोक संस्कृति, साहित्य, पुरातत्व और पर्यटन का अद्भुत समागम देखने को मिला। महोत्सव के उद्घाटन अवसर पर स्कूली बच्चों एवं स्थानीय कलाकारों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से समां बांध दिया, वहीं नई दिल्ली से आए कलाकारों द्वारा प्रस्तुत भव्य रामलीला ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।इस अवसर पर सांसद श्री चिंतामणि महाराज, लुंड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज, जिला एवं जनपद पंचायत के जनप्रतिनिधि, साहित्यकार, इतिहासकार, प्रशासनिक अधिकारी तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि रामगढ़ महोत्सव प्रदेश की समृद्ध लोक संस्कृति, इतिहास, पुरातत्व, साहित्य और पर्यटन का अद्भुत संगम है, जो आने वाली पीढ़ियों को अपनी गौरवशाली विरासत से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम

इन्फ्लुएंसर मीट से छत्तीसगढ़ पर्यटन को मिलेगी वैश्विक पहचान, डिजिटल मंचों पर गूंजेंगी प्रदेश की खूबसूरती

पाँच दिवसीय फेम टूर में मैनपाट, सतरेंगा और रामगढ़ महोत्सव का अनुभव ले रहे सोशल मीडिया

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। डिजिटल माध्यमों के जरिए छत्तीसगढ़ पर्यटन को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने की दिशा में छत्तीसगढ़ टूरिज़्म बोर्ड द्वारा 26 से 30 जून 2026 तक पाँच दिवसीय 'इन्फ्लुएंसर मीट एवं फेमिलराइजेशन (फेम) टूर' का आयोजन किया जा रहा है। इस अभिनव पहल के तहत राज्य के विभिन्न जिलों से चयनित प्रमुख सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को छत्तीसगढ़ के प्रमुख पर्यटन स्थलों का भ्रमण कराया जा रहा है, ताकि उनके माध्यम से प्रदेश की प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन संभावनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार देश और दुनिया तक पहुंच सके। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागी प्रदेश के प्रसिद्ध हिल स्टेशन मैनपाट, प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण सतरेंगा तथा ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व के रामगढ़ महोत्सव का भ्रमण कर रहे हैं। इस यात्रा के दौरान इन्फ्लुएंसर्स प्राकृतिक छटा, जनजातीय संस्कृति, पारंपरिक लोककलाओं, पर्यटन सुविधाओं और सांस्कृतिक आयोजनों का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त कर रहे हैं। साथ ही वे विभिन्न डिजिटल मंचों के लिए आकर्षक फोटो, वीडियो और रचनात्मक सामग्री तैयार कर रहे हैं, जिसके माध्यम से छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों की विशेषताएं लाखों दर्शकों तक पहुंचेंगी। मैनपाट अपनी मनोहारी वादियों, तिब्बती संस्कृति, झरनों और प्राकृतिक आकर्षणों के कारण प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों में विशेष स्थान रखता है। वहीं सतरेंगा इको-टूरिज्म के क्षेत्र में तेजी से उभरता हुआ गंतव्य है, जहां विशाल जलाशय, प्राकृतिक वातावरण और रोमांचक गतिविधियां पर्यटकों को आकर्षित करती हैं। इसके साथ ही रामगढ़ महोत्सव के माध्यम से प्रतिभागी छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं, लोक कलाओं और ऐतिहासिक विरासत से भी रूबरू हो रहे हैं। यह आयोजन पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल के मार्गदर्शन, पर्यटन मंडल के अध्यक्ष श्री नीलू शर्मा के नेतृत्व, प्रबंध संचालक श्री विवेक आचार्य के सक्षम संचालन तथा उपमहाप्रबंधक श्रीमती पूनम शर्मा के निर्देशन में छत्तीसगढ़ टूरिज़्म बोर्ड की टीम द्वारा सुव्यवस्थित रूप से संचालित किया जा रहा है। आयोजन का अंतिम दिन 30 जून को निर्धारित है डिजिटल युग में सोशल मीडिया पर्यटन प्रचार का सबसे प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है। ऐसे में इस इन्फ्लुएंसर मीट के माध्यम से तैयार की जा रही डिजिटल सामग्री छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों को देश और दुनिया के करोड़ों लोगों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी तथा स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार, हस्तशिल्प, लोककला, ग्रामीण पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई गति मिलेगी।

धमतरी के विशेष छात्र सत्यांशु दीप का भारतीय फुटबॉल टीम में चयन स्वीडन में करेंगे देश का प्रतिनिधित्व

सार्थक स्कूल के छात्र सत्यांशु स्पेशल ओलंपिक्स गोथिया ट्रॉफी 2026 में बिखेरेंगे जलवा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। धमतरी जिले के लिए यह अत्यंत गौरव और हर्ष का क्षण है। समाज कल्याण विभाग द्वारा अनुदानित विशेष विद्यालय 'सार्थक स्कूल' के विशेष छात्र सत्यांशु दीप का चयन स्पेशल ओलंपिक्स भारत (Special Olympics Bharat) की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम में हो गया है। सत्यांशु आगामी 12 से 16 जुलाई 2026 तक स्वीडन में आयोजित होने वाली स्पेशल ओलंपिक्स गोथिया ट्रॉफी 2026 (Special Olympics Gothia Trophy 2026) अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। सत्यांशु दीप की यह ऐतिहासिक उपलब्धि न केवल धमतरी जिले, बल्कि समूचे छत्तीसगढ़ के लिए बड़े गौरव का विषय है। विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की प्रतिभा, आत्मविश्वास और खेल कौशल का यह उत्कृष्ट उदाहरण यह साबित करता है कि यदि उचित प्रशिक्षण, प्रोत्साहन और अवसर मिले, तो वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी देश का परचम लहरा सकते हैं।

उचित मार्गदर्शन और लगन से मिला मुकाम

विद्यालय परिवार के अनुसार, सत्यांशु ने यह मुकाम अपने कड़े व नियमित अभ्यास, अनुशासन, समर्पण और मैदान पर बेहतरीन खेल प्रदर्शन के दम पर हासिल किया है। उनकी यह शानदार सफलता अन्य विशेष बच्चों के लिए भी एक बड़ी प्रेरणास्रोत बनेगी और उन्हें अपने सपनों को साकार करने के लिए उत्साहित करेगी। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित और अनुदानित इन विशेष विद्यालयों का मुख्य उद्देश्य दिव्यांग बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, खेल, जीवनोपयोगी कौशल और व्यक्तित्व विकास के समान अवसर उपलब्ध कराना है। सत्यांशु का यह चयन विभाग की इन कोशिशों की सार्थकता को प्रमाणित करता है।

बाल साहित्य और नई शिक्षा नीति को मिलेगा नया आयाम- वन मंत्री केदार कश्यप

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप आज राजधानी रायपुर के वृंदावन भवन में आयोजित एक गरिमामय समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने साझा बाल काव्य संग्रह मोर अंगना के शोर का विमोचन किया और सभी संबंधित रचनाकारों व शिक्षकों को सम्मानित किया। समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि बच्चों का सर्वांगीण विकास शिक्षा, संस्कार और साहित्य के माध्यम से ही संभव है। बाल साहित्य हमारी नई पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव रखने का काम करता है।हृश्चक्कऔर स्नस्र्ह के उद्देश्यों को मिलेगी मजबूती मंत्री श्री कश्यप ने पुस्तक की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मोर अंगना के शोर केवल कविताओं का संग्रह नहीं है, बल्कि यह बच्चों की कल्पनाशीलता, संवेदनशीलता, नैतिक मूल्यों और भाषा कौशल को विकसित करने का एक सशक्त माध्यम है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा